INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents

Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-131 | सांध्य दैनिक | मथुरा, मंगलवार, 7 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

राम मंदिर के बाद अब श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर बढ़ाई सख्ती

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर चंदा चोरी मामले के बाद श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर सख्ती बढ़ा दी गई है। अब दान की गणना से लेकर पुजारियों की माला तक पर तीसरी आंख की कड़ी नजर रहेगी। मंदिर प्रबंधन, दान और चढ़ावे की सुरक्षा को लेकर कोई कोताही नहीं बरतना चाहता। इसी के तहत अब चढ़ावे की गणना करने वाले कक्ष में प्रवेश के नियमों को बेहद सख्त कर दिया गया है।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान प्रबंधन ने तय किया है कि चढ़ावे की गिनती करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों को गणना कक्ष में बिना जेब वाले कपड़े पहनकर ही प्रवेश मिलेगा। वैसे तो

यह नियम पहले भी था, लेकिन अब इसे और ज्यादा सख्ती से लागू किया जा रहा है। अब गणना कक्ष में जाने और बाहर आने पर पूरी तलाशी ली जाएगी, ताकि चोरी की कोई गुंजाइश ही न बचे। इसके अलावा निगरानी के लिए सुपरवाइजरों की संख्या भी बढ़ा दी गई है।

तीसरी आंख रखेगी नजर

चढ़ावे की गिनती से लेकर पुजारी की माला तक पर होगी निगरानी

प्रबंधन का स्पष्ट मानना है कि चोरी होने के बाद सीसी कैमरें देखने की नौबत ही क्यों आने दी जाए।

सुरक्षा व्यवस्था को चाक–चौबंद करने के लिए जगमोहन, दान कक्ष, गणना कक्ष और लॉकर रूम में सीसी कैमरों की संख्या बढ़ाई जा रही है। पुराने कैमरों की जगह अब अत्याधुनिक कैमरे लगाए जा रहे हैं जिनकी वीडियो क्वालिटी बहुत साफ होगी। दिल्ली की एक कंपनी इन कैमरों को लगाने के लिए सर्वे का काम भी पूरा कर चुकी है।

अब तक मंदिर परिसर में सीसी कैमरों की रिकॉर्डिंग केवल एक महीने तक ही सुरक्षित रखी जाती थी, लेकिन नई व्यवस्था के तहत अब इस रिकॉर्डिंग को छह महीने तक सुरक्षित रखा जाएगा, जबकि एक साल तक का बैकअप रखने की भी तैयारी की जा रही है। प्रबंधन अब दान की गणना का सीधा प्रसारण देखने और पिछली रिकॉर्डिंग को कभी भी चेक करने की सुविधा भी विकसित कर रहा है।

मंदिर के जगमोहन में लगने वाले अत्याधुनिक कैमरे इतनी पैनी नजर रखेंगे कि पुजारी की माला तक उनकी जद में होगी। जब पुजारी किसी भक्त को माला या प्रसाद देंगे तो कैमरे इस बात पर भी नजर रखेंगे कि कहीं इसके बदले में कुछ लिया तो नहीं जा रहा है।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने जानकारी देते हुए कहा कि जन्मस्थान पर व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार किए जा रहे हैं और भविष्य में भी यह प्रक्रिया जारी रहेगी। पूरी सतर्कता के साथ काम किया जा रहा है, ताकि किसी तरह की कोई गड़बड़ी न हो और मंदिर आने वाले भक्तों की भावनाएं आहत न हों।

300 पुलिसकर्मी,28 ठिकाने और सौ संदिग्ध हिरासत में

यूनिक समय, मथुरा। साइबर ठगी के लिए कुख्यात गांवों पर पुलिस ने बड़े स्तर पर अटैक बोला। सुबह चार थानों की पुलिस और पीएसी ने क्षेत्रों के 28 संदिग्ध ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई। पुलिस 100 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस को काफी संख्या में मोबाइल भी बरामद हुए हैं। मोबाइलों की जांच कराई जा रही है।

एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देश पर आज प्रातः करीब पांच बजे कोसीकलां थाना क्षेत्र के उटावड़, शेरगढ़ क्षेत्र के जंघावली, बरसाना क्षेत्र के हाथिया और गोवर्धन थाना क्षेत्र के देवरस गांव में पुलिस ने एक साथ दबिश दी। इस छापेमार कार्रवाई में आठ क्षेत्राधिकारी, दो कंपनी पीएसी और करीब 300 पुलिसकर्मियों ने साइबर ठगों के नेटवर्क को चारों तरफ से घेर लिया। इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व एसपी ग्रामीण सुरेश रावत कर रहे थे। भारी संख्या में पुलिस फोर्स ने अपने इन

साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान एसपी ग्रामीण सुरेशचंद्र रावत।

चारों टारगेटों को एक साथ उस समय घेर लिया, जब अथिकांश लोग गहरी नींद में सोये हुए थे। चिन्हित 28 साइबर ठगों के ठिकानों को पुलिस ने इस तरह की गई घेरबंदी की कोई भाग न सके।

पुलिस कार्रवाई से गांव में लोग दहशत में आए गए। पुलिस ने किसी को भी घरों से भागने की मौहलत नहीं दी। पुलिस द्वारा अचानक की गई इस कार्रवाई से साइबर ठगों में हड़कंप मच गया। अभियान के लिए पुलिस ने पूरी रणनीति के तहत फोर्स को तैनात किया गया था। आठ क्षेत्राधिकारियों के नेतृत्व में 16 थानों की पुलिस, दो कंपनी पीएसी और करीब 300 पुलिसकर्मी साइबर ठगों के ठिकानों पर देर सायं तक कर्रावाई करने में लगे हैं। इस कार्रवाई में100 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लेकर पुलिस ने उनका सत्यापन शुरू कर दिया गया है।

पुलिस सभी संदिग्धों के दस्तावेज, मोबाइल फोन, बैंक खातों और आपराधिक गतिविधियों का सत्यापन भी कर रही है। जिन लोगों की साइबर ठगी में संलिप्तता मिलेगी, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसपी ग्रामीण सुरेश चंद रावत ने बताया कि साइबर ठगों के खिलाफ

साइबर ठगी के ठिकाने पर भोर में खाकी का एकजुट अटैक

पुलिस की इस कार्रवाई में ठगों को भागने का नहीं मिला मौका

सर्च ऑपरेशन के दौरान ड्रोन से हुई निगरानी

चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत चार थाना क्षेत्रों में 28 स्थानों पर दबिश दी गई है। कार्रवाई के दौरान 100 संदिग्धों को सत्यापन के लिए हिरासत में लिया गया है। सभी से पूछताछ की जा रही है, उनके रिकार्ड और इलेक्ट्रानिक उपकरणों की जांच की जा रही है। जांच में जो भी व्यक्ति साइबर ठगी में शामिल पाया जाएगा, उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सीडीओ ने वृद्ध माताओं से किया संवाद, ली योजनाओं की जानकारी

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने रामताल में संचालित कृष्ण कुटीर महिला आश्रय सदन का निरीक्षण किया। आश्रय सदन के विभिन्न कक्षों, रसोईघर (किचन), डाइनिंग हॉल और स्टोर रूम आदि का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। सीडीओ को बताया कि वर्तमान में इस आश्रय सदन में 325 वृद्ध-विधवा माताएं आवासित हैं। आवासित वृद्ध माताओं से सीडीओ ने संवेदनशीलता के साथ संवाद किया और उन्हें विभाग द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सुविधाओं, भोजन की गुणवत्ता और अन्य दैनिक आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली। आश्रय सदन में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के लिए दो एमबीबीएस चिकित्सक तैनात हैं। माताओं की शारीरिक आरोग्यता के लिए एक सुसज्जित फिजियोथेरेपी सेंटर सहित अन्य आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं सुचारू रूप से संचालित पाई गईं। सीडीओ ने संस्था की प्रशासनिक अधिकारी को निर्देशित किया कि वृद्ध माताओं की देखरेख, स्वास्थ्य और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए, वृद्ध माताओं को उनकी अवस्था और रूचि के अनुरूप कौशल विकास संबंधी कार्यक्रमों से जोड़ा जाए। निरीक्षण के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चन्द्र, संस्था की प्रशासनिक अधिकारी शिल्पा मुरगई सहित अन्य विभागीय कार्मिक उपस्थित रहे।

डिजिटल लेन-देन की ओर बढ़े महिलाओं के कदम

कारोबार से निवेश तक बढ़ा ऑनलाइन भरोसा

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की महिलाएं अब केवल डिजिटल भुगतान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कारोबार, लोन और निवेश जैसे वित्तीय निर्णयों में भी डिजिटल प्लेटफॉर्म का तेजी से इस्तेमाल कर रही हैं। शहरी क्षेत्रों में महिला उद्यमियों के बीच यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग और क्रेडिट कार्ड का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। वहीं, ग्रामीण इलाकों में नकद लेनदेन अब भी सबसे अधिक प्रचलित है।

रिपोर्ट के मुताबिक, महिला कारोबारियों के लिए डिजिटल पेमेंट सबसे पसंदीदा माध्यम बन चुका है। बड़ी संख्या में महिलाएं अब ऑनलाइन

लोन, निवेश और बैंकिंग सेवाओं का लाभ भी मोबाइल एप के जरिए ले रही हैं। शहरी क्षेत्रों में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है, जहां महिलाएं ट्रैवल, होटल ऑफर, कैशबैक और

यूपीआई के साथ लोन और निवेश एप का बढ़ा उपयोग

ग्रामीण क्षेत्रों में अब भी नकद भुगतान का दबदबा

अन्य रिवॉर्ड सुविधाओं का लाभ उठा रही हैं। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्र में स्थिति अभी अलग है। यहां अधिकांश महिलाएं नकद भुगतान को ही सुरक्षित और सुविधाजनक मानती हैं, जबकि यूपीआई का उपयोग भी धीरे–धीरे बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल साक्षरता बढ़ने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी ऑनलाइन वित्तीय सेवाओं का दायरा तेजी से विस्तृत होगा। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि महिला उद्यमी अपने कारोबार में कर्मचारियों के वेतन, डिजिटल मार्केटिंग और तकनीकी संसाधनों पर अधिक निवेश कर रही हैं। दूसरी ओर, साइबर सुरक्षा और डिजिटल धोखाधड़ी को लेकर चिंता भी बनी हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि सुरक्षित डिजिटल लेनदेन और जागरूकता अभियान महिलाओं की डिजिटल भागीदारी को और मजबूत करेंगे।

स्वच्छ और दिव्य ब्रज के संकल्प पथ पर उज्ज्वल ब्रज संस्था

उज्जवल ब्रज को लेकर चिंतन करते आयुक्त नगेंद्र प्रताप, जीएलए के कुलाधिपति नारायणदास अग्रवाल एवं आरके एजूकेशन हब के चेयरमैन रामकिशोर अग्रवाल, उद्योगपति सुरेश कौशिक आदि।

उज्जवल ब्रज में स्वच्छता का दायित्व निभा रहे स्वच्छता प्रहरियों के साथ जीएलए के कुलपति अनूप अग्रवाल, तपेश भारद्वाज, उद्योगपति पवन चतुर्वेदी आदि।

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की पावन धरती का कण–कण श्रद्धा, आस्था और आध्यात्मिक चेतना से ओत–प्रोत है। लाखों श्रद्धालु हर साल कान्हा की लीलास्थली वृंदावन और गोवर्धन आते हैं। वैसे तो दिव्य धाम की स्वच्छता और सुंदरता बनाए रखना केवल प्रशासन ही नहीं, बल्कि समाज की भी साझा जिम्मेदारी है। वहीं, स्वच्छ ब्रज-सुंदर ब्रज के सपने को साकार करने की दिशा में उज्ज्वल ब्रज संस्था लगातार स्वच्छता के पथ को आगे बढ़ा रही है

करीब एक दशक पहले बनीं इस संस्था ने विशेष रूप से वृंदावन और गोवर्धन परिक्रमा मार्ग की स्वच्छता को अपना खास लक्ष्य बनाया है। नियमित सफाई अभियान, जनजागरूकता कार्यक्रम और पर्यावरण संरक्षण संबंधी गतिविधियों के माध्यम से संस्था श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर रही है। संस्था का मानना है कि ब्रज की

वृंदावन–गोवर्धन परिक्रमा मार्ग की स्वच्छता को बनाया जनभागीदारी का अभियान

स्वच्छता के महाअभियान के बाद भी संस्था जुटी हैं ब्रज स्वच्छता की चिंता में

पवित्रता तभी अक्षुण्ण रह सकती है, जब यहां आने वाला प्रत्येक व्यक्ति स्वच्छता को अपना नैतिक दायित्व समझे।

उज्ज्वल ब्रज संस्था की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके अभियान से समाज के विभिन्न वर्ग जुड़े हैं। शहर के कई प्रमुख उद्योगपति, कारोबारी, समाजसेवी और स्वयंसेवक इस मुहिम को आर्थिक रूप से अनवरत आशीर्वाद भी दे रहे हैं। अधिकारी भी संस्था के प्रयासों को मजबूती देने के लिए सहभागिता निभा रहे हैं। जनसहयोग और प्रशासनिक समन्वय के इस मॉडल को स्वच्छ ब्रज अभियान की बड़ी ताकत माना जा रहा है। संस्था का उद्देश्य केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि ब्रज की सांस्कृतिक गरिमा, धार्मिक विरासत और पर्यावरण संरक्षण को भी नई ऊर्जा प्रदान करना है।

एक दिन आएगा बदलाव

ब्रज उज्जवल के गठन में महत्वपूर्ण योगदान निभाने वाले नगेंद्र प्रताप वर्तमान में आगरा मंडन के आयुक्त हैं। आयुक्त पद पर होने की वजह से उनका ब्रज से सीधा जुड़ाव भी है। उनको विश्वास है कि सामूहिक प्रयासों से ब्रज को स्वच्छ, सुंदर और दिव्य स्वरूप प्रदान किया जा सकता है। यही संकल्प आज स्वच्छ ब्रज अभियान को जनआंदोलन का रूप देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उनका मानना है स्वच्छ ब्रज का सपना तभी साकार होगा, जब हर व्यक्ति स्वच्छता को अपनी दिनचर्या में शामिल करेगा।

स्वच्छता को दान की परिपाटी बनी मिसाल

संस्था का स्वच्छ ब्रज अभियान निरंतर आगे बढ़े, लोग और समाज प्रेरणा लें, इसी उददेश्य के साथ सात ब्रजवासी उद्योगपति इसमें दान की परिपाटी को निभा रहे हैं। 250 सफाई कर्मचारियों की मासिक आर्थिक चिंता को यह समाजसेवी उद्योगपति पूरा करने में योगदान निभाते हैं। इनमें उद्योगपति नारायन दास अग्रवाल, पवन चतुर्वेदी, सुरेश कौशिक, कृष्णकांत बेरीबाल, राजीव ब्रजवासी, सुनील अग्रवाल और देवेन्द्र चौधरी प्रमुख हैं।

मुड़िया पूर्णिमा मेला

श्रद्धालुओं की भीड़ संभालने को रेलवे ने कसी कमर

भीड़ संभालने के लिए अतिरिक्त स्टाफ की मांग

सुरक्षा और यात्री सुविधाओं पर रहेगा विशेष ध्यान

यूनिक समय, मथुरा। 23 जुलाई से शुरू होने वाले मुड़िया पूर्णिमा मेले को लेकर रेलवे प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस मेले में गोवर्धन परिक्रमा के लिए देश के अलग–अलग राज्यों से लाखों श्रद्धालु मथुरा पहुंचते हैं। लोग रेल से यात्रा करते हैं। इसलिए रेलवे का पूरा प्रयास है कि यात्रियों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

मेले के दौरान मथुरा जंक्शन, गोवर्धन और आसपास के रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या अचानक बढ़ जाती है। इसे देखते हुए रेलवे ने भीड़ को व्यवस्थित रखने और यात्रियों की सुविधा के लिए योजना बनाना शुरू कर दिया है। स्टेशन पर टिकट, पूछताछ, प्लेटफॉर्म और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को ठीक किया जाएगा। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने अपने उच्च अधिकारियों से अतिरिक्त कर्मचारियों की मांग की है। राजकीय रेलवे पुलिस और आरपीएफ पुलिस ने भी अतिरिक्त पुलिस बल उपलब्ध कराने के लिए मांग की है। मेले के दौरान स्टेशन, प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था पहले से अधिक मजबूत रहेगी। यात्रियों की मदद के लिए हेल्प डेस्क, पेयजल, प्रतीक्षालय, सूचना केंद्र और अन्य जरूरी सुविधाओं को भी बेहतर बनाया जा रहा है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अलग–अलग स्थानों पर कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं को आने–जाने में कोई दिक्कत न हो। रेलवे प्रशासन का कहना है कि मुडिया पूर्णिमा मेले में आने वाले हर श्रद्धालु को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा मिले, इसके लिए सभी तैयारियां समय रहते पूरी की जा रही हैं। रेलवे और जीआरपी मिलकर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा-गोवर्धन रोड पर हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। एम्बुलेंस से जिला अस्पताल लाए गए युवक को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इसी दौरान वहां आए युवक के परिवारीजनों हंगामा किया और उसे एमएच हॉस्पिटल ले जाने की कहकर ले गए।

बिहारी जी मंदिर में वीआईपी संस्कृति पर उठे सवाल

आस्था और परंपराओं के बीच बढ़ते विवाद से आम श्रद्धालु परेशान

यूनिक समय, वृंदावन। विश्व प्रसिद्ध श्री बांके बिहारी मंदिर में वीआईपी व्यवस्था और परंपराओं के नाम पर किए जा रहे बदलावों को लेकर श्रद्धालुओं में लगातार असंतोष बढ़ रहा है। आरोप है कि प्रभावशाली लोगों को विशेष सुविधा देने के कारण आम श्रद्धालु घंटों लाइन में लगने को मजबूर हैं, जबकि वीआईपी दर्शन के लिए अलग व्यवस्था से बराबरी की भावना प्रभावित हो रही है। श्रद्धालुओं का कहना है कि मंदिर में आस्था से अधिक प्रभाव और पहुंच को महत्व दिया जा रहा है।

बीते कुछ वर्षों में मंदिर की कई परंपराओं और व्यवस्थाओं को लेकर विवाद सामने आए हैं। समय–समय पर गर्भगृह में विशेष व्यक्तियों के प्रवेश, नियमों से हटकर सम्मान, भीड़ प्रबंधन में असमानता और परंपराओं के पालन को लेकर सवाल उठते रहे हैं। इंटरनेट मीडिया पर भी ऐसे कई वीडियो वायरल हुए, जिनमें मंदिर की गरिमा और परंपराओं के उल्लंघन के आरोप लगाए गए। इससे श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत होने की बात सामने आई। इसी बीच मंदिर की व्यवस्थाओं में सुधार और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गठित हाई पावर्ड कमेटी भी सक्रिय है। समिति का मुख्य फोकस भीड़ प्रबंधन, दर्शन व्यवस्था को पारदर्शी बनाना, सुरक्षा मानकों को मजबूत करना और परंपराओं का सम्मान बनाए रखना है। समिति समय–समय पर मंदिर प्रशासन से रिपोर्ट लेकर आवश्यक सुधारों पर विचार कर रही है।

धार्मिक जानकारों का मानना है कि बांके बिहारी मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। ऐसे में किसी भी व्यवस्था का उद्देश्य केवल सुगम, सुरक्षित और समान दर्शन होना चाहिए। उनका कहना है कि यदि वीआईपी संस्कृति पर प्रभावी नियंत्रण और परंपराओं का निष्पक्ष पालन सुनिश्चित किया जाए तो श्रद्धालुओं का विश्वास और मजबूत होगा और मंदिर की गरिमा भी अक्षुण्ण बनी रहेगी।

बिना रिकॉर्ड कमरे देने वालों पर प्रशासन कसेगा शिकंजा

एक हजार रुपये में एक-दो घंटे को बुक हो रहे कमरे

हाइवे और शहर के कई होटल- रेस्टोरेंट में देह व्यापार की आशंका

एक्सप्रेस-वे पर दो होटलों में छापे के दौरान पकड़े गए थे 13 पुरुष

यूनिक समय, मथुरा। यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे संचालित दो होटलों में पुलिस की हालिया छापेमारी के दौरान कथित देह व्यापार का खुलासा होने के बाद जिले में कई होटल और रेस्टोरेंट की गतिविधियां फिर सवालों के घेरे में हैं। एक्सप्रेस- वे के समीप थाना राया थाना क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 13 लोगों को हिरासत में लिया था। इसके बाद शहर से लेकर रैपुराजाट और कोसीकलां तक संचालित कई होटलों और रेस्टोरेंटों की कार्यप्रणाली पर भी निगाहें टिकी हैं।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, कुछ होटल संचालक महज एक हजार रुपये में कमरे एक से दो घंटे के लिए उपलब्ध करा रहे हैं। आरोप है कि ऐसे मामलों में आने वाले लोगों की पहचान संबंधी दस्तावेज या रजिस्टर में कोई रिकॉर्ड भी दर्ज नहीं किया जाता। इससे इन स्थानों पर अवैध गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की आशंका बनी रहती है।

इससे पहले भी प्रशासन ने शहर के माल गोदाम रोड और धौलीप्याऊ क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की शिकायत मिलने पर छापेमारी की थी। उस दौरान कई होटलों के रिकॉर्ड कब्जे में लेकर उनकी जांच शुरू की गई थी। जांच में होटल संचालन के नियमों और मेहमानों का विवरण दर्ज करने में अनियमितताओं की भी पड़ताल की जा रही है।

पुलिस और प्रशासन का कहना है कि होटल संचालकों को प्रत्येक अतिथि का पहचान पत्र लेना और उसका रिकॉर्ड सुरक्षित रखना अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन करने वाले होटल संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में जिले भर में होटलों और गेस्ट हाउसों की सघन जांच अभियान चलाया जाएगा, ताकि अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। वहीं, स्थानीय लोगों ने भी नियमित निरीक्षण और कड़ी कार्रवाई की मांग की है, जिससे होटल व्यवसाय की आड़ में होने वाली किसी भी गैरकानूनी गतिविधि पर रोक लगाई जा सके।

दुराचार करने वाला गिरफ्तार

मारपीट करने वालों की तलाश जारी

यूनिक समय, मथुरा। यमुना पार पुलिस ने एक महिला के साथ दुराचार करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। महिला के साथ मारपीट करने वालों की पुलिस तलाश कर रही है।

बताया गया कि थाना यमुनापार में एक महिला ने अभियुक्त मानवीर निवासी दीवाना कलां पर बलात्कार करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही मानवीर के पुत्र दिलीप और कुमरपाल पर मारपीट करने का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने इस मामले में मानवीर को ढहरुआ फाटक के समीप जमुनापार से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मारपीट करने वालों को गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

'संभव' जनसुनवाई में आईं 12 शिकायतें, चार का मौके पर हुआ निस्तारण

जनसुनवाई करते हुए नगर आयुक्त जग प्रवेश और अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह।

भूतेश्वर जोन में सबसे अधिक छह मामले पहुंचे

नगर आयुक्त ने अधिकारियों को दिए समाधान के निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार की पहल पर प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले 'संभव' (संतुष्टि-समृद्धि) जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत नगर निगम में मंगलवार को लोगों की समस्याएं सुनी गईं। भूतेश्वर स्थित नगर निगम मुख्यालय में नगर आयुक्त जग प्रवेश ने स्वयं फरियादियों से संवाद किया और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं सिटी जोन में अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार और वृंदावन जोन में अपर नगर आयुक्त चंद्र प्रकाश पाठक ने जनसुनवाई कर शिकायतों का निस्तारण कराया। जनसुनवाई के दौरान तीनों जोनों में कुल 12 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें अतिक्रमण, स्ट्रीट लाइट, सफाई, गृहकर और जलकल विभाग से संबधित मिले। भूतेश्वर जोन में सबसे अधिक छह शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें तीन अतिक्रमण और तीन स्ट्रीट लाइट से संबंधित थीं। स्ट्रीट लाइट की दो शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागों को निस्तारण के लिए भेजा गया। सिटी जोन में दो शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें सफाई और गृहकर से जुड़े मामले शामिल थे। अधिकारियों ने दोनों शिकायतों का तत्काल निस्तारण कर शिकायतकर्ताओं को राहत प्रदान की। वृंदावन जोन में चार शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें दो गृहकर, दो जलकल विभाग से संबंधित थीं। इन मामलों में भी संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

नगर आयुक्त जग प्रवेश ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि शिकायतों के समाधान में लापरवाही या अनावश्यक देरी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जनसुनवाई के दौरान अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी, कल्पना सिंह चौहान, अनुज कौशिक, अधिशासी अभियंता (निर्माण) अमरेंद्र गौतम, सहायक अभियंता (जल) हेमेंद्र गौतम, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामगोपाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

तेज रफ्तार अर्टिगा कार ने सड़क किनारे दौड़ते नौ युवकों को रौंदा

तीन की हालत गंभीर होने पर भरतपुर किया गया रैफर

पुलिस फरार कार चालक और वाहन की तलाश में जुटी

यूनिक समय,मथुरा। मगोर्रा थाना क्षेत्र में मंगलवार प्रातः सौंख गोवर्धन रोड पर बछगांव के समीप दौड़ लगाते समय तेज रफ्तार कार ने नौ युवकों को रौंद दिया। दुर्घटना के बाद चालक कार को तेजगति से दौड़ा ले गया। घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस दुर्घटना करने वाली कार को तलाश रही है।

बताया जा रहा है कि गांव के बच्चे रोजाना की तरह आज प्रातः भी प्रातः पांच बजे सौंख-गोवर्धन रोड के किनारे दौड़ लगा रहे थे। इसी दौरान दौड़ने वाले युवकों के पीछे से तेज रफ्तार में आई रही अर्टिगा कार ने उन्हें रौंद दिया। बच्चों को रौंदने के बाद चालक ने गाड़ी को रोकने की बजाय और स्पीड से दौड़ा दिया। दुर्घटना में वीनू पुत्र लोकेश, टीटू पुत्र श्याम, कन्हैया पुत्र दलवीर, चिंटू पुत्र चंद्रभान, जगमोहन पुत्र राकेश, सौरभ पुत्र सुशील, दीपक पुत्र राकेश,कन्हैया पुत्र चंद्रपाल और पुष्पेंद्र पुत्र राधारमन बुरी तरह घायल हो गए। घायलों को सड़क पर खून से लथपत देख सड़क से गुजरते लोगों और ग्रामीणों में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने घायल युवकों को तुरंत उठा कर अस्पताल पहुंचाया। घटना से गांव में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। घायल हुए युवकों के परिवारों में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि दुर्घटना करने वाली अर्टिगा कार हरियाणा नंबर की थी। हादसे में घायल चार बच्चों को केएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि तीन बच्चों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें भरतपुर रेफर किया गया। इनमें से एक बच्चे की गर्दन की हड्डी टूटने की आशंका जताई जा रही है। चिकित्सक सभी घायलों का उपचार कर रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही मगोर्रा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस वाहन की तलाश कर रही है और आसपास लगे सीसी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

नए बस स्टैंड रेलवे पुल का काम पूरा, अब कीजिए सफर

अब पूरा होगा चौथी और पांचवीं रेलवे लाइन बिछाने का काम

लोहे का स्ट्रक्चर लगाने को मजदूरों ने कर ली है पूरी तैयारी

नए बस स्टैंड के सामने काम पूरा होने के बाद बुधवार को सड़क से मलवा साफ करते मजदूर। रेलवे की ओर से नए बस स्टैंड के सामने की गई खोदाई के दौरान यह नाली निकली, जिसे सफाई के बाद पानी निकलाने को तैयार किया गया।

यूनिक समय, मथुरा। नए बस स्टैंड के रेलवे पुल के नीचे चल रहा काम आज पूरा होने के बाद इसे देर रात वाहनों के आवागमन के लिए खोल दिया जाएगा। अब बसों का संचालन भी नए बस स्टैंड से ही होगा। रेलवे की ओर से कराए गए काम की वजह से इस अंडरपास से चार पहिया वाहनों का आवागमन करीब 14 दिन बंद रहा, जिससे लोगों को परेशानी हुई।

मथुरा जंक्शन और भूतेश्वर के बीच केवल तीन रेलवे लाइनें होने से अक्सर ट्रेन रुक जाती हैं, इससे सुपरफास्ट और मालगाड़ियों को आउटर पर इंतजार करना पड़ता है तो रेल संचालन प्रभावित होता है। इस समस्या के निदान के लिए रेलवे की ओर से भूतेश्वर और जंक्शन के बीच चौथी और पांचवीं लाइन बिछाने को नए बस स्टैंड अंडरपास को 24 जून से काम के लिए बंद किया गया था। यहां से केवल दो पहिया वाहनों को आने- जाने का रास्ता बनाया गया। चार पहिया वाहन और टेंपो- ई-रिक्शा को स्टेट बैंक चौराहे पर रोकने लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बसों का संचालन भी इस अवधि में नए बस स्टैंड के अलावा माल गोदाम रोड से किया गया। 14 दिन के इस काम के दौरान रेलवे की टीम ने नए बस स्टैंड के सामने से दोनों ओर की सड़क को मशीन से काटने का काम पूरा किया। अब सड़क के नीची होने से बसों का आवागमन भी होगा, लोहे के सुरक्षा द्वार में कोई बस फंसेगी भी नहीं। काम से जुड़े रेलवे की तकनीक टीम के सदस्यों ने बताया कि इस काम के होने से अब पुल के नीचे भी पानी का जमाव नहीं होगा।

लोहे का स्ट्रक्चर होगा फिट, टीम की तैयारी

नए बस स्टैंड के इस रेलवे अंडरपास के दोनों ओर से चौथी और पांचवीं लाइन बिछाने का काम भी होना है, इसके लिए मजदूर पुल के दोनों किनारों पर लोहे का स्ट्रक्चर फिट करने को तैयारी में जुटे हैं। स्टेट बैंक की ओर से आने वाले पुल के हिस्से पर यह काम पूरा हो गया है। अब नए बस स्टैंड की ओर वाले पुल के हिस्से पर लोहे का स्ट्रक्चर लगाने को मजदूर तैयारी में जुटे हैं। इस स्ट्रक्चर से ही ट्रेनों को गुजारा जाएगा।

योगी सरकार ने होमगार्ड जवानों का बढ़ाया हौंसला: प्रजापति

वृंदावन आए यूपी के होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा राज्य मंत्री धर्मवीर प्रजापति।

प्रमुख सवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। यूपी के होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति ने बताया कि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में होमगार्ड स्वयंसेवकों, उनके आश्रितों और विभाग में तैनात अवैतनिक अधिकारियों के लिए पांच लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सुविधा को मंजूरी दे दी गई है।

उन्होंने बताया कि जवानों की कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए प्रदेश के प्रत्येक थाने में होमगार्ड जवानों के लिए दो विश्राम कक्ष (एक महिला और एक पुरुष जवान के लिए) बनाए जाएंगे, ताकि वे ड्यूटी के दौरान आराम कर सकें। उन्होंने कहा कि भाजपा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। पार्टी

भाजपा कार्यकर्ता विधानसभा चुनाव को जुट गए

का प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर पर सक्रिय है। विपक्ष पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल आरोप लगाने और जनता का ध्यान भटकाने का काम कर रहा है। जनता समझ चुकी है कि भाजपा विकास की राजनीति करती है, जबकि विपक्ष विनाश की राजनीति में विश्वास रखता है। अयोध्या प्रकरण पर उन्होंने कहा कि मामला जांच के अधीन है, इसकी जांच एसआईटी कर रही है।

इससे पहले प्रजापति ने ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में दर्शन–पूजन किए। वह वृंदावन स्थित योगीराज देवरहा बाबा आश्रम भी पहुंचे। आश्रम पहुंचने पर संत समाज और श्रद्धालुओं ने राज्य मंत्री का स्वागत किया। पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी मंत्री का अभिनंदन किया।

गोवध निषेध कानून बनाए केंद्र सरकार

हनुमान मंदिर पर गो के सम्मान में चलाए गए हस्ताक्षर अभियान में मौजूद हिंदूवादी नेता।

हनुमान मंदिर पर गोभक्तों ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को गो सम्मान आह्वान हस्ताक्षर अभियान के अंतर्गत डीग गेट स्थित प्राचीन श्री हनुमान मंदिर पर गोभक्तों ने हस्ताक्षर अभियान चलाया, जिसमें काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने हस्ताक्षर कर अभियान को अपना समर्थन दिया।

गो सम्मान आह्वान अभियान के प्रभारी आचार्य ब्रजेन्द्र नागर ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद जो भी सरकारें आईं, उन्होंने राजनीतिक तुष्टिकरण के कारण गोमाता की उपेक्षा की। उन्होंने सरकार से गोवध निषेध कानून बनाने की मांग की। मंदिर के अध्यक्ष पदम सिंह ने कहा कि गोमाता को संपूर्ण विश्व की माता कहा जाता है, फिर भी भारत में हजारों गाय प्रति दिन कत्ल कर दी जाती है। अजय कुमार शर्मा और बलदेव प्रसाद अग्रवाल ने कहा संपूर्ण देश में गो सम्मान आह्वान अभियान के अन्तर्गत राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। 27 जुलाई को जिला मुख्यालय पर डीएम के माध्यम से हजारों गोभक्तों द्वारा ग्यारह लाख हस्ताक्षर सहित ज्ञापन दिया जाएगा।

डॉ. जमुना शर्मा ने कहा कि गोमाता की रक्षा के लिए महिलाओं को भी आगे आने की आवश्यकता है। संचालन करते हुए अभियान के प्रचार प्रमुख रामदास चतुर्वेदी पूर्व पार्षद ने कहा कि सरकार गोवध निषेध कानून बनाए और गोमाता की रक्षा करें। इस अवसर पर मुरलीधर चतुर्वेदी, तरुण नागर,मदन लाल शर्मा,नरेश शर्मा, हरिओम सिंह, कैलाश चंद्र आदि का हस्ताक्षर अभियान में विशेष सहयोग रहा।

सपा कार्यकर्ताओं ने रौपे पौधे

यूनिक समय, वृंदावन। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष-पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्म दिवस पर चल रहे पर्यावरण सप्ताह अंतर्गत वृंदावन क्षेत्र गांधी पार्क में पार्टी कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाए। इस मौके पर प्रदेश सचिव अशोक कुमार युवजनसभा और महानगर प्रमुख महासचिव पहलाद यादव ने कहा कि पौधारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है।

महानगर अध्यक्ष अंकित वार्ष्णेय और पूर्व सभासद मुस्तफा आलम ने कहा कि वृंदावन में रुके हुए कार्य 2027 में अखिलेश यादव की सरकार बनने पर पूरे किए जाएंगे। इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष वल्लभ भाई कुशवाहा, महानगर सचिव भोलू कुरैशी, महानगर सचिव विनय ठाकुर, आजाद कुरैशी, मोहम्मद जाकिर, मोहम्मद सलीम खान, भूरा कुरैशी, नरेंद्र शर्मा और दिनेश ठाकुर आदि उपस्थित थे।

वृंदावन में अतिक्रमण पर चला निगम का बुलडोजर

सड़क किनारे बेकार खड़े ई-रिक्शा को ट्रैक्टर में लादकर ले जाते नगर निगम कर्मी। वृंदावन के सीएफसी चौराहे के समीप अतिक्रमण पर ढकेल संचालक का चालान काटते नगर निगम कर्मी।

हटाए गए अतिक्रमण और कबाड़ ई–रिक्शा

यूनिक समय, वृंदावन। मंगलवार को नगर निगम की टीमों ने सीएफसी चौराहे पर व्यापक स्तर पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान सड़क किनारे लंबे समय से खड़ी खराब और अनुपयोगी ई- रिक्शा को जेसीबी की सहायता से उठाकर ट्रैक्टर में लादकर हटाया गया। कार्रवाई के दौरान आसपास क्षेत्र में अवैध रूप से लगी ढकेलों को भी हटाया गया और नियमों का उल्लंघन करने वालों के चालान किए गए। नगर निगम की इस कार्रवाई से पूरे क्षेत्र में हलचल रही।

निगम के अधिकारियों ने बताया कि सीएफसी चौराहे पर खराब ई- रिक्शा और सड़क किनारे खड़ी ढकेलों के कारण यातायात व्यवस्था लगातार प्रभावित हो रही थी। राहगीरों और वाहन चालकों को आए दिन जाम और असुविधा का सामना करना पड़ता था। कई बार शिकायतें मिलने के बाद यह अभियान चलाया। अभियान के दौरान नगर निगम की टीम जेसीबी और ट्रैक्टर मौके पर मौजूद रहे। जेसीबी की मदद से खराब ई- रिक्शा को उठाकर ट्रैक्टर में लादा गया और निर्धारित स्थान पर भेजा गया।

वहीं सड़क और फुटपाथ पर अतिक्रमण कर व्यवसाय कर रहे कुछ ढकेल संचालकों को हटाया गया, नगर निगम की ओर से उनके चालान भी काटे गए। नगर निगम अधिकारियों ने कहा कि शहर को स्वच्छ सुंदर और जाम मुक्त बनाने के लिए अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण करने, खराब वाहन खड़े करने या बिना अनुमति के ढकेले लगाने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम ने नागरिकों और व्यापारियों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और शहर की यातायात व्यवस्था तथा स्वच्छता बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। इस कार्रवाईके दौरान चौराहा और आसपास हड़कंप मचा रहा।

अस्पताल का सर्वर नही चलने से ऑनलाइन पर्चे नहीं बने

यूनिक समय, मथुरा। जिला अस्पताल का सर्वर न चलने के कारण आज लोगों को ऑन लाइन पर्चा बनवाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। पुराने पेट्रन पर कर्मचारियों को हाथ से लिख कर पर्चा बनाना पड़ा। इसके चलते अस्पताल आने वाले मरीजों को भारी परेशानी हुई।

सूचना

मैं राजपाल पुत्र श्री बंशीलाल नि0 गिर्राजधाम कॉलौनी जिला मथुरा मेरा पुत्र गौरव गलत संगत में पड गया है व पुत्रवधु रिंकी दोनों ही मेरे कहने में नहीं हैं भविष्य में उनके द्वारा किये गए कृत्य व लेन-देन के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे उनसे हमारा कोई सम्बन्ध सरोकार नहीं है मैं उन्हें अपनी संपत्ति से बेदखल करता हूँ।

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

जुगाड़ नहीं, सॉफ्टवेयर तय करेगा यूपी बोर्ड के परीक्षा केंद्र

पहली बार ऑनलाइन दर्ज कराई जा सकेंगी आपत्तियां

यूनिक समय, मथुरा। अगले साल होने वाली यूपी बोर्ड की परीक्षा के लिए इस बार पारदर्शिता पर ज्यादा ध्यान होगा। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया गया है। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने केंद्रों के चयन में जुगाड़ के बजाय पारदर्शिता बढ़ाने के लिए पूरी प्रक्रिया को ही ऑनलाइन कर दिया है। अब परीक्षा केंद्रों का निर्धारण सॉफ्टवेयर के माध्यम से होगा, जबकि आपत्तियां भी पहली बार ऑनलाइन दर्ज कराई जा सकेंगी।

डीआईओएस कार्यालय के अनुसार, केंद्र तय करने की प्रक्रिया 20 जुलाई से 18 सितंबर तक चरणबद्ध ढंग से चलेगी। सबसे पहले सभी विद्यालयों को परिषद के पोर्टल पर अपने यहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी देनी होगी। कक्षों की संख्या, फर्नीचर, पेयजल, शौचालय, बिजली और सीसी कैमरे शामिल हैं।

ऑनलाइन होगा आपत्तियों का निस्तारण

जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने बताया कि छात्र, अभिभावक, विद्यालय और प्रबंधक पोर्टल पर ऑनलाइन आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। आपत्तियों के परीक्षण और निस्तारण के बाद एक संशोधित सूची जारी की जाएगी। इसके बाद 18 सितंबर को परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची प्रकाशित कर दी जाएगी। यह प्रक्रिया पारदर्शिता तय करेगी।

ऑनलाइन दी गई जानकारी का तहसील स्तरीय समिति भौतिक सत्यापन करेगी। इसकी रिपोर्ट डीआईओएस के माध्यम से पोर्टल पर अपलोड की जाएगी।

परीक्षा केंद्र निर्धारण का पूरा शेड्यूल

20 जुलाई तक : विद्यालयों की आधारभूत सुविधाओं का ऑनलाइन विवरण अपलोड।
3 अगस्त तक : तहसील स्तरीय समिति का भौतिक सत्यापन।
10 अगस्त तक : सत्यापन रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड।
17 अगस्त : परीक्षा केंद्रों की पहली सूची जारी।
22 अगस्त तक : पहली सूची पर ऑनलाइन आपत्तियां।
1 सितंबर : आपत्तियों का परीक्षण।
7 सितंबर : संशोधित सूची जारी।
14 सितंबर तक : संशोधित सूची पर दोबारा ऑनलाइन आपत्तियां।
18 सितंबर : अंतिम परीक्षा केंद्र सूची जारी।

इन्हीं आंकड़ों के आधार पर सॉफ्टवेयर परीक्षा केंद्रों की पहली सूची तैयार करेगा। जिले में 36 राजकीय, 93 अशासकीय सहायता प्राप्त और 421 वित्तविहीन इंटर कॉलेज संचालित हैं। वर्ष 2025–26 की बोर्ड परीक्षा में कुल 120 केंद्र बनाए गए थे, जिनमें 69332परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी। इस बार हाईस्कूल परीक्षा के लिए 30358 और इंटर परीक्षा के लिए 33935 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।

कांग्रेसियों ने चंदा चोरी के खिलाफ निकाली सद्बुद्धि पदयात्रा

श्री राम मंदिर में चंदा चोरी के विरोध में सद्बुद्धि पद यात्रा निकालते कांग्रेस कार्यकर्ता।

चंदा चोरी करने वालों को देश के राम भक्त नहीं करेंगे माफ

ट्रस्ट भंग कर शंकराचार्य और मंदिर महंतों को सौंपे व्यवस्था

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर मंगलवार को कांग्रेस कमेटी ने अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर में चढ़ावे और चंदा चोरों से मुक्ति के लिए सद्बुद्धि पदयात्रा निकाली।

पदयात्रा का शुभारंभ भूतेश्वर स्थित श्रीजी बाबा आश्रम हनुमान मंदिर पर पूजा-अर्चना करके किया गया। पदयात्रा श्री कृष्ण जन्मभूमि के गेट पहुंची, जहां हनुमान चालीसा पढ़कर समापन किया गया। पदयात्रा का नेतृत्व कर रहे जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि अयोध्या स्थित भगवान श्री राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ी खबरों से करोड़ों करोड़ों राम भक्तों की आस्था आहत हुई है। कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट मानना है कि आस्था से जुड़ी इस संपूर्ण घटना की निष्पक्ष जांच उच्च न्यायालय के सिटिंग जज से कराई जाए। ट्रस्ट को तत्काल भंग कर चारों पीठों के शंकराचार्य और श्री राम मंदिर के सम्मानित महंतो को इसकी जिम्मेदारी सौंपी जाए। श्री राम मंदिर में दिए गए चंदा से भाजपा सरकार और आरएसएस द्वारा फाइव स्टार होटलों की तरह बनाए गए कार्यालयों की भी जांच होनी चाहिए। पूर्व महानगर अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि ने कहा कि भाजपा सरकार के इशारे पर प्रभु श्री राम मंदिर में चंदे की चोरी किया जाना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। निश्चित रूप से देश के राम भक्त चोरी करने वालों को कभी माफ नहीं करेंगे।

यात्रा में लता चौहान पुनीत बघेल, अबरार कुरेशी, रूपा लवानिया, शालू अग्रवाल, नीलम कुलश्रेष्ठ, गीता दिवाकर ,अनाम धन्य तिवारी, प्रवीण ठाकुर, विपुल पाठक, हर्ष चौरसिया काशन रिजवी, प्रेम शंकर शर्मा, आशीष अग्रवाल, गौरांग अग्रवाल, संदीप चौधरी, कुंवर सिंह निषाद, करन निषाद, रमेश कश्यप, जिलानी कादरी, अमित राज विनोद दिवाकर, मुस्लिम कुरैशी, शैलेंद्र चौधरी, शाहरुख खान अदि कांग्रेसी उपस्थित रहे।

गेस्ट हाउस सीलिंग पर व्यापार मंडल ने उठाई आवाज

गेस्ट हाउस सीलिंग को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा से बातचीत करते व्यापार मंडल के पदाधिकारी।

नगर मजिस्ट्रेट ने बैठक बुलाने पर जताई सहमति

एकल खिड़की प्रणाली लागू करने का सुझाव

यूनिक समय, मथुरा। शहर में छोटे–छोटे गेस्ट हाउसों पर की जा रही सीलिंग कार्रवाई से परेशान संचालकों ने नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नेतृत्व में नगर मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा से मुलाकात कर समस्याएं रखीं। व्यापार मंडल ने सुझाव दिया कि सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक आयोजित कर समस्याओं का समाधान किया जाए। इस पर नगर मजिस्ट्रेट ने सहमति जताते हुए जल्द बैठक कराने का आश्वासन दिया।

नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि छोटे गेस्ट हाउस संचालकों को विभिन्न विभागों के बार–बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इसके बावजूद उनकी व्यावहारिक समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है।

व्यापार मंडल ने नगर मजिस्ट्रेट से मांग की कि फायर विभाग, पर्यटन विभाग, मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में सभी होटल और गेस्ट हाउस संचालकों की संयुक्त बैठक बुलाई जाए। विभिन्न विभागों की औपचारिकताएं पूरी कराने के लिए एकल खिड़की प्रणाली लागू की जाए, ताकि कारोबारियों को बार–बार अलग–अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। नगर मजिस्ट्रेट ने व्यापार मंडल के सुझाव पर सहमति जताते हुए कहा कि जल्द ही संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी।

नगर महामंत्री शशिभानु गर्ग ने बताया कि शीघ्र ही नगर के सभी होटल और गेस्ट हाउस संचालकों की बैठक आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर उपाध्यक्ष गुरमुख दास, चौधरी राजवीर सिंह, संयुक्त महामंत्री श्रीभगवान चतुर्वेदी, नगर मंत्री-जन्मभूमि लिंक रोड व्यवसाय समिति के अध्यक्ष विजयवीर सिंह, महामंत्री कृष्ण गोपाल शर्मा, बलवीर सिंह, सुधीर तोमर, देवी सिंह, ओंकार गौतम, किशन चंद शर्मा, पवन शर्मा, भगवान सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संत देवरहा बाबा का पुण्य स्मृति महोत्सव 10 से

यूनिक समय, वृंदावन। योगिनी एकादशी पर ब्रह्मर्षि योग सम्राट देवरहा बाबा का त्रिदिवसीय 36 वां वार्षिक पुण्य स्मृति महोत्सव देवरहा बाबा समाधि स्थल पर 10 से 12 जुलाई तक होगा। आश्रम के अध्यक्ष ब्रह्मर्षि देवदास महाराज बड़े सरकार के सानिध्य में होने वाले महोत्सव का शुभारभ 10 जुलाई को प्रातः 10 बजे से बाबा के चित्रपट के सामने दीप प्रज्वलित करके किया जाएगा। फिर संत–विद्वत सम्मेलन होगा। दोपहर 12 बजे महंतों का सम्मान होगा। 11 जुलाई को देश–विदेश से आए असंख्य भक्तों–श्रद्धालु ब्रह्मर्षि योग सम्राट देवरहा बाबा की प्रतिमा का वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य पंचामृत से महाभिषेक कर पूजन–अर्चन करेंगे। साथ ही हरिनाम संकीर्तन-सत्संग आदि के कार्यक्रम होंगे। 12 जुलाई को पूर्वाह्न 11 बजे से संत, ब्रजवासी, वैष्णव सेवा होगी।

वन हेल्थ की अवधारणा से ही थमेगा जूनोटिक बीमारियों का खतरा

विश्व जूनोसिस दिवस पर पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के पदाधिकारी और अतिथि वक्ता डॉ. बिस्वबिनोद सनफुई।

विश्व जूनोसिस दिवस पर डॉ. बिस्वबिनोद सनफुई ने साझा किए अनुभव

यूनिक समय, मथुरा। पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो–अनुसंधान संस्थान में विश्व जूनोसिस दिवस पर एक स्वास्थ्य (वन हेल्थ) अवधारणा पर विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित हुआ। केडी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर, मथुरा के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बिस्वबिनोद सनफुई ने छात्र–छात्राओं और संकाय सदस्यों को जानवरों से इंसानों में फैलने वाली जानलेवा बीमारियों (जूनोटिक रोग) रेबीज, टीबी, स्वाइन फ्लू आदि के कारणों- बचाव के उपायों की जानकारी दी।

अतिथि व्याख्यान का शुभारंभ दुवासू के कुलपति डॉ. अभिजीत मित्रा ने किया,अतिथि वक्ताओं का स्वागत अध्यक्ष डॉ. विकास पाठक, संयोजक डॉ. उदित जैन (प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, वीपीएच) आयोजन सचिव डॉ. पारुल (सहायक प्रोफेसर, वीपीएच) ने किया। डॉ. बिस्वबिनोद सनफुई ने कहा कि एक जानवर से शुरू हुई बीमारी पूरी दुनिया को ठप कर सकती है। यह बात सुनने में भले ही हैरान करने वाली लगे, लेकिन कोविड–19 महामारी ने दिखा दिया कि एक सूक्ष्म वायरस किस तरह पूरी दुनिया की रफ्तार रोक सकता है। डॉ. बिस्वबिनोद सनफुई ने बताया कि मनुष्यों में पाई जाने वाली ज्ञात संक्रामक बीमारियों में से लगभग 60 प्रतिशत की उत्पत्ति जानवरों से ही होती है। उन्होंने रेबीज जैसी 100 फीसदी घातक बीमारियों से बचाव के लिए पालतू और आवारा पशुओं के नियमित टीकाकरण पर जोर दिया। डॉ. बिस्वबिनोद सनफुई ने उभरते जूनोटिक रोगों के नियंत्रण के लिए वन हेल्थ दृष्टिकोण विषय पर मानव, पशु और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के समवित दृष्टिकोण की महत्ता पर प्रकाश डाला।

यह शैक्षणिक सहभागिता केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका, विभागाध्यक्ष सामुदायिक चिकित्सा डॉ. गगनदीप कौर के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से संभव हो सकी। डीन डॉ. अशोका ने कहा कि केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर अग्रणी शैक्षणिक और जनस्वास्थ्य संस्थानों के साथ अपने सहयोग को निरंतर सुदृढ़ कर रहा है। वन हेल्थ अवधारणा को बढ़ावा देने तथा अंतर्विषयक साझेदारियों के माध्यम से जनस्वास्थ्य सम्बन्धी पहलों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

विभागाध्यक्ष सामुदायिक चिकित्सा डॉ. गगनदीप कौर ने कहा कि आयोजन उभरते स्वास्थ्य खतरों से निपटने के लिए सरकारों, स्वास्थ्य पेशेवरों, पशु चिकित्सकों, पर्यावरण विशेषज्ञों और समुदायों के बीच सहयोग की आवश्यकता को भी रेखांकित करता है।

ओवरथिंकिंग बढ़ा सकती मानसिक तनाव, जानिए बचाव के आसान उपाय

यूनिक समय, नई दिल्ली। किसी एक बात, फैसले या भविष्य की चिंता को बार–बार सोचते रहना केवल एक आदत नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या का संकेत भी हो सकता है। विशेषज्ञ इसे ओवरथिंकिंग यानी जरूरत से ज्यादा सोचने की प्रवृत्ति बताते हैं। मनोचिकित्सकों का कहना है कि यदि समय रहते इस आदत को नहीं पहचाना जाए तो यह तनाव, चिंता और मानसिक थकान का कारण बन सकती है। मनोचिकित्सक और लाइफ कोच डॉ. चांदनी तुगनैत के अनुसार, कई लोगों को लगता है कि किसी भी स्थिति के बारे में बार–बार सोचने से बेहतर समाधान मिल जाएगा या वे हर परिस्थिति को नियंत्रित कर पाएंगे। हालांकि वास्तविकता इससे अलग है। जरूरत से ज्यादा सोचने से अक्सर समस्या का समाधान नहीं मिलता, बल्कि व्यक्ति एक ही विचारों के चक्रमें फंस जाता है और मानसिक रूप से थका हुआ महसूस करने लगता है। विशेषज्ञों के

मुताबिक, ओवरथिंकिंग की सबसे बड़ी पहचान यह है कि व्यक्ति बिना किसी निष्कर्ष पर पहुंचे एक ही बात को बार–बार दोहराता रहता है। ऐसे में दिमाग नए समाधान तलाशने के बजाय पुराने विचारों में उलझा रहता है। यह स्थिति धीरे–धीरे चिंता और तनाव को बढ़ा सकती है। इस आदत से बचने के लिए विशेषज्ञ कुछ आसान उपाय अपनाने की सलाह देते हैं। यदि कोई बात लगातार परेशान कर रही है, तो उसके बारे में सोचने के लिए दिन का एक निश्चित समय तय करें। तय समय के बाद उस विषय को छोड़कर अपने नियमित कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। इससे विचारों पर नियंत्रण रखने में मदद मिल सकती है। विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि जब भविष्य को लेकर चिंता सताने लगे, तब खुद से एक सवाल जरूर पूछें– क्या यह स्थिति वास्तव में अभी मौजूद है या मैं केवल इसकी कल्पना कर रहा हूं? यह तरीका व्यक्ति को वास्तविकता और कल्पना के बीच अंतर समझने में मदद

छोटी आदतें अपनाकर रखें मन शांत और संतुलित

कर सकता है। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, नियमित शारीरिक गतिविधियां भी ओवरथिंकिंग कम करने में सहायक हो सकती हैं। टहलना, हल्का व्यायाम करना, घर के कामों में व्यस्त रहना या किसी भरोसेमंद व्यक्ति से बातचीत करना मन को बार–बार आने वाले विचारों से हटाने में मदद करता है। विशेषज्ञों का कहना है कि हर विचार सही या वास्तविक हो, यह जरूरी नहीं है। यदि व्यक्ति तथ्यों पर ध्यान देना सीखे, अनावश्यक चिंताओं को सीमित रखे और जरूरत पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह ले, तो धीरे–धीरे ओवरथिंकिंग की समस्या पर काबू पाया जा सकता है और मानसिक संतुलन बेहतर बना रहता है।

बीएसए के निरीक्षण में व्यवस्था मिली बेहतर, मेधावी बच्चों को मिला सम्मान

शिक्षकों को दिए जरूरी निर्देश, एक शिक्षामित्र मिली अनुपस्थित

यूनिक समय, मथुरा। जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ाई और व्यवस्थाओं की हकीकत जानने के लिए बीएसए रतन कीर्ति ने मंगलवार को मथुरा ब्लाक के तीन प्राथमिक विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकांश विद्यालयों में पढ़ाई का माहौल अच्छा मिला। बच्चों के बेहतर शैक्षणिक स्तर से खुश होकर बीएसए ने उन्हें कॉपी और पेंसिल देकर सम्मानित किया। बीएसए जब प्राथमिक विद्यालय देवीपुरा पहुंची, जब वहां प्रार्थना सभा चल रही थी और विद्यालय साफ–सुथरा व व्यवस्थित मिला। उन्होंने शिक्षकों से विभागीय कार्यों की जानकारी ली और पढ़ाई की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। प्राथमिक विद्यालय बड़ी आटस में सभी शिक्षक कक्षाओं में पढ़ाते मिले। विद्यालय की साफ–सफाई और शिक्षण व्यवस्था को परखा। साथ ही शिक्षकों को पाठ योजना, शिक्षक डायरी, समय सारिणी और शैक्षिक कैलेंडर का नियमित पालन करने के निर्देश दिए। बीएसए प्राथमिक विद्यालय नगला सुरीर पहुंची, जहां एक शिक्षामित्र अनुपस्थित मिली। विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति अच्छी रही और उनका शैक्षणिक स्तर भी संतोषजनक पाया गया। बच्चों के अच्छे प्रदर्शन से प्रभावित होकर बीएसए ने उन्हें कॉपी और पेंसिल देकर प्रोत्साहित किया।

शरीर में गांठ दिखे तो न करें नजरअंदाज

यूनिक समय, नई दिल्ली। शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ महसूस होना चिंता का कारण बन सकता है, लेकिन हर गांठ कैंसर का संकेत नहीं होती। विशेषज्ञों के अनुसार, कई बार संक्रमण, सिस्ट या फैटी ग्रोथ के कारण भी गांठ बन सकती है। हालांकि बिना जांच के इसे नजरअंदाज करना भी सही नहीं है। डॉक्टरों का कहना है कि यदि कोई गांठ दो से तीन सप्ताह तक बनी रहे, लगातार आकार में बढ़े, सख्त महसूस हो या त्वचा का रंग बदलने लगे, तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। इसके अलावा गांठ के साथ बिना वजह वजन कम होना, लगातार बुखार, अत्यधिक थकान या रात में ज्यादा पसीना आना भी गंभीर संकेत हो सकते हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि कई बार कैंसर की शुरुआती गांठ में दर्द नहीं होता, इसलिए दर्द न होने पर भी लापरवाही नहीं करनी चाहिए। समय पर जांच और इलाज से गंभीर बीमारियों का जोखिम काफी हद तक कम किया जा सकता है।

खीरा और पुदीना जूस का कमाल

सेहत के लिए साबित हो सकता है वरदान

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुबह की शुरुआत अगर किसी हेल्दी और फ्रेश ड्रिंक से की जाए तो पूरा दिन एनर्जेटिक और एक्टिव रहता है। ऐसे में खीरा और पुदीने का जूस सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह शरीर को न सिर्फ अंदर से साफ करता है, बल्कि कई तरह की बीमारियों से भी बचाने में मदद करता है। खाली पेट इसका सेवन करने से शरीर पर जल्दी और सकारात्मक असर देखने को मिलता है। सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह जूस शरीर को डिटॉक्स करता है। खीरे में भरपूर पानी और फाइबर होता है, जबकि पुदीना एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है, जो शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालने में मदद करता है। इससे लिवर और किडनी की कार्यक्षमता भी बेहतर होती है। वजन घटाने के लिए भी यह जूस काफी असरदार माना जाता है। इसमें कैलोरी कम होती है और यह मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जिससे फैट बर्निंग प्रोसेस बेहतर होता है। यह लंबे समय तक पेट भरा रखता है, जिससे ओवरईटिंग की समस्या कम होती है। पाचन तंत्र के लिए भी यह बेहद लाभकारी है। गैस, एसिडिटी और कब्ज जैसी समस्याओं में यह जूस राहत देता है। पुदीने का मेंथॉल पेट को ठंडक पहुंचाता है, जबकि खीरा पेट की जलन को शांत करता है। इसके अलावा यह जूस त्वचा को भी निखारने में मदद करता है। शरीर हाइड्रेट रहने से स्किन ग्लोइंग बनती है और दाग–धब्बे कम होते हैं।

घर में रखा नारियल हो जाएगा खत्म

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर घर में नारियल ज्यादा मात्रा में रखा है, तो उसे सिर्फ पूजा तक सीमित न रखें। इससे कई टेस्टी और हेल्दी डिश आसानी से बनाई जा सकती हैं। आप नारियल की बर्फी, नारियल की चटनी,नारियल के लडडू , कोकोनट राइस और नारियल की खीर जैसी स्वादिष्ट रेसिपी तैयार कर सकते हैं। ये सभी व्यंजन स्वाद के साथ पोषण भी देते हैं। नारियल में फाइबर, हेल्दी फैट और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देने और पाचन बेहतर रखने में मदद करते हैं। अगर आप कुछ नया ट्राई करना चाहते हैं, तो ये 5 आसान रेसिपी आपके किचन के लिए बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती हैं।

सुविचार

शब्दों में बहुत ताकत होती है, वे इंसान की सोच, रिश्ते और भविष्य तक बदल सकते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	नवमी	12:22-10:38 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	अश्विनी	04:00-02:56 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:34 AM	चन्द्रोदय	11:47 PM
सूर्यास्त		7:13 PM	चंद्रास्त	12:57 PM
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	मेष राशि
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		12:24 PM: 02:06 PM	वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग रहेगा। खर्च नियंत्रित रखें और स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें।

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। निवेश सोच-समझकर करें, लाभ मिलने के योग हैं।

मिथुन: नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। नौकरी में प्रगति होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक विवादों से दूरी बनाए रखें।

कर्क: पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा। व्यापार में लाभ संभव है। यात्रा के योग बनेंगे। सकारात्मक सोच आपके लिए फायदेमंद रहेगी।

सिंह: करियर में नई संभावनाएं मिलेंगी। आत्मविश्वास बढ़ेगा। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य और खानपान पर विशेष ध्यान दें।

कन्या: मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ के अवसर बनेंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। धैर्य बनाए रखें।

तुला: दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी। नए संपर्क लाभ देंगे। खर्च बढ़ सकते हैं। योजनाओं को समय पर पूरा करें।

वृश्चिक: कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। रुका धन मिलने के संकेत हैं। परिवार के साथ समय बिताएं। तनाव से बचने का प्रयास करें।

धनु: भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश से पहले विशेषज्ञ की सलाह लें।

मकर: नौकरी और व्यापार में प्रगति होगी। नई योजनाएं सफल होंगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य संबंधी लापरवाही न करें।

कुंभ: आय के नए स्रोत बन सकते हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा। सामाजिक सम्मान मिलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर लेना बेहतर रहेगा।

मीन: मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। पुराने मित्रों से मुलाकात संभव है।

राहु-केतु के अशुभ से बचना है तो बाथरूम की सात आदतें बदलें

धार्मिक मान्यताओं में राहु-केतु से जोड़ा जाता बाथरूम

साफ-सफाई और रखरखाव से बढ़ती सकारात्मक ऊर्जा हमेशा

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र की मान्यताओं के अनुसार घर का प्रत्येक हिस्सा ऊर्जा के प्रवाह को प्रभावित करता है। इन्हीं में बाथरूम को भी विशेष महत्व दिया गया है। धार्मिक मान्यता है कि बाथरूम का संबंध राहु और केतु से माना जाता है और यहां की साफ-सफाई व रखरखाव में लापरवाही घर के वातावरण पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। हालांकि इन मान्यताओं का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है और इन्हें धार्मिक विश्वास के रूप में देखा जाता है। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार यदि बाथरूम में टूटा हुआ शीशा लगा हो तो उसे जल्द बदल देना चाहिए। मान्यता है कि टूटा दर्पण नकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने के साथ मानसिक तनाव और पारिवारिक असंतुलन का कारण बन सकता है। इसी तरह बाथरूम में लंबे समय तक खाली बाल्टी रखने की बजाय उसमें साफ पानी भरकर रखना या उसे उल्टा करके रखना शुभ माना जाता है। कुछ मान्यताओं में नीले रंग की बाल्टी को राहु से जुड़े दोषों की शांति का प्रतीक भी माना गया है।

बाथरूम के नल से लगातार पानी टपकना भी वास्तु दोष का संकेत माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि पानी का रिसाव अनावश्यक खर्च और आर्थिक अस्थिरता का कारण बन सकता है। इसलिए खराब नल को समय रहते ठीक कराने की सलाह दी जाती है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार गीले और गंदे कपड़ों को लंबे समय तक बाथरूम में नहीं छोड़ना चाहिए। ऐसा करना घर की सकारात्मक ऊर्जा को प्रभावित करने वाला माना जाता है। वहीं सीलन, बदबू और गंदगी को भी राहु के बढ़ते प्रभाव से जोड़कर देखा जाता है। इसलिए बाथरूम को हमेशा साफ, सूखा और हवादार रखने की सलाह दी जाती है।

वास्तु शास्त्र में बाथरूम का दरवाजा उपयोग के बाद बंद रखने की भी सलाह दी गई है। मान्यता है कि इससे नकारात्मक ऊर्जा पूरे घर में नहीं फैलती। इसके अलावा कमोड की दिशा को लेकर भी कुछ नियम बताए गए हैं। कई वास्तु विशेषज्ञ उत्तर या दक्षिण दिशा को अधिक अनुकूल मानते हैं। धार्मिक और पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार इन छोटी-छोटी बातों का पालन करने से घर में सकारात्मक वातावरण, मानसिक शांति और सुख-समृद्धि बनी रहती है। हालांकि इन मान्यताओं को आस्था के दृष्टिकोण से ही देखा जाना चाहिए।

पांच दिन में अंतर्ध्यान हुए बाबा बर्फानी, श्रद्धालु हुए मायूस

अमरनाथ यात्रा में पांचवें दिन पूरी पिघला प्राकृतिक हिम शिवलिंग

श्रद्धालुओं में निराशा कारणों पर उठे कई सवाल

विशेषज्ञों ने मौसम बदलाव को प्रमुख वजह बताया आज

यूनिक समय, मथुरा। पवित्र अमरनाथ यात्रा के दौरान इस वर्ष प्राकृतिक हिम शिवलिंग के यात्रा शुरू होने के महज पांच दिन बाद पूरी तरह पिघल जाने की खबर सामने आई है। इससे बड़ी संख्या में यात्रा पर पहुंचे श्रद्धालुओं में निराशा है। वहीं इस घटना के बाद प्राकृतिक परिस्थितियों, बढ़ते तापमान और यात्रा प्रबंधन को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी और 7 जुलाई तक प्राकृतिक हिम शिवलिंग पूरी तरह पिघल गया। बताया जा रहा है कि इस दौरान एक लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा में दर्शन कर चुके हैं। यात्रा का समापन परंपरा के अनुसार रक्षाबंधन के दिन होना है।

श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने हिम शिवलिंग के पिघलने को प्राकृतिक प्रक्रिया बताया है। दूसरी ओर कुछ पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि मौसम में बदलाव, ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बढ़ता तापमान और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी जैसी परिस्थितियां भी इस प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। हालांकि इन कारणों को लेकर विशेषज्ञों के अलग-अलग मत हैं और किसी एक वजह की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

रिपोर्टों के मुताबिक, मई के अंतिम सप्ताह में हिम शिवलिंग की ऊंचाई करीब सात फीट बताई गई थी, जो जून के अंत तक घटकर लगभग पांच फीट रह गई। इसके बाद जुलाई के पहले सप्ताह में इसके पूरी तरह पिघल जाने की जानकारी सामने आई। इससे पहले भी वर्ष 2013 और 2016 में यात्रा अवधि समाप्त होने से पहले हिम शिवलिंग के पिघलने की घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं।

अमरनाथ यात्रा हिंदू धर्म की प्रमुख तीर्थयात्राओं में शामिल है। धार्मिक मान्यता है कि इसी पवित्र गुफा में भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरत्व का रहस्य सुनाया था। यही कारण है कि हर वर्ष लाखों श्रद्धालु कठिन पर्वतीय मार्ग तय कर बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं।

मंदिर में घंटी बजाने की परंपरा क्यों चली सदियों से!

यूनिक समय, मथुरा। भारत के अधिकांश मंदिरों में प्रवेश करते समय घंटी बजाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, घंटी की ध्वनि भगवान के स्वागत और पूजा की शुभ शुरुआत का प्रतीक मानी जाती है। माना जाता है कि इससे श्रद्धालु का मन सांसारिक चिंताओं से हटकर ईश्वर की भक्ति में एकाग्र होता है तथा पूजा का वातावरण पवित्र बनता है। आरती और विशेष अनुष्ठानों में भी घंटी व शंख का उपयोग इसी कारण किया जाता है। कुछ लोग मानते हैं कि घंटी की गूंज मन को शांत और ध्यान केंद्रित करने में सहायक हो सकती है।

हालांकि, इसके शरीर या मस्तिष्क पर विशेष प्रभाव को लेकर पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए इसे धार्मिक और पारंपरिक मान्यताओं के रूप में ही देखा जाता है।

नवग्रह पूजा से ग्रहदोष शांत, जीवन में आती सकारात्मकता

ग्रहों की दशा अनुसार पूजा करना शुभ माना

धार्मिक मान्यता अनुसार मिलते हैं कई महत्वपूर्ण लाभ

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में नवग्रह पूजा को ग्रहों के अशुभ प्रभावों को शांत करने और शुभ फल प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान माना गया है। मान्यता है कि जब किसी व्यक्ति की कुंडली में ग्रहों की स्थिति प्रतिकूल होती है या शनि, राहु और केतु जैसे ग्रहों की महादशा अथवा अंतर्दशा चल रही होती है, तब जीवन में कई तरह की बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे समय में श्रद्धालु विधि-विधान से नवग्रह पूजा कराते हैं।

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु को नवग्रह कहा जाता है। इन ग्रहों का प्रभाव व्यक्ति के स्वास्थ्य, करियर, शिक्षा, दांपत्य जीवन और आर्थिक स्थिति पर पड़ता है। यदि किसी ग्रह की स्थिति कमजोर हो या उससे ग्रह दोष बन रहा हो तो कार्यों में रुकावट, मानसिक तनाव, आर्थिक हानि और पारिवारिक समस्याओं जैसी परिस्थितियां सामने आ सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार शनि, राहु और केतु की अशुभ दशा, कालसर्प दोष, करियर में लगातार बाधाएं, विवाह में देरी या वैवाहिक जीवन में तनाव जैसी स्थितियों में नवग्रह पूजा कराई जाती है। इसके अलावा नए व्यवसाय की शुरुआत, गृह प्रवेश, विवाह या अन्य मांगलिक कार्यों से पहले भी कई लोग नवग्रह पूजा कर शुभ फल की कामना करते हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार प्रत्येक ग्रह की पूजा उसके निर्धारित वार पर करना शुभ माना जाता है। सोमवार को चंद्र, मंगलवार को मंगल, बुधवार को बुध, गुरुवार को गुरु, शुक्रवार को शुक्र तथा शनिवार को शनि, राहु और केतु की पूजा की जाती है। वहीं अमावस्या, पूर्णिमा, महाशिवरात्रि, नाग पंचमी, धनतेरस और दीपावली जैसे पावन अवसर भी नवग्रह पूजा के लिए शुभ माने जाते हैं। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि यदि परिवार में कोई सदस्य लंबे समय से बीमार हो, बार-बार कार्यों में विघ्न आ रहा हो, मानसिक तनाव बना रहता हो, संपत्ति विवाद या न्यायालय से जुड़े मामले चल रहे हों, तो श्रद्धालु ग्रह शांति के लिए नवग्रह पूजा कराते हैं। हालांकि स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए चिकित्सकीय उपचार और कानूनी मामलों में विधिक सलाह लेना आवश्यक माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि श्रद्धा और विधि-विधान से संपन्न नवग्रह पूजा से ग्रहों के अशुभ प्रभाव कम होते हैं तथा जीवन में सकारात्मकता, मानसिक शांति और आत्मविश्वास का संचार होता है। हालांकि इसके प्रभाव आस्था और ज्योतिषीय मान्यताओं पर आधारित हैं।

सम्पादकीय

बेहतर ऑफर मिलते ही बदल जाते हैं रिश्ते

कभी रिश्ते विश्वास, समर्पण और धैर्य की मजबूत नींव पर टिके होते थे। जीवन में कितनी भी कठिन परिस्थितियां क्यों न आ जाएं, लोग साथ निभाने को अपना सबसे बड़ा धर्म मानते थे। आज समय बदला है और उसके साथ रिश्तों की सोच भी बदलती दिखाई दे रही है। इसलिए यह बात अक्सर सुनने को मिलती है कि अब रिश्ते भी नौकरी की तरह हो गए हैं, बेहतर ऑफर मिलते ही बदल जाते हैं। यह वाक्य भले ही व्यंग्य हो, लेकिन आधुनिक समाज की एक कड़वी सच्चाई भी बयां करता है।

पवन गौतम
संपादक

आज का दौर तेज प्रतिस्पर्धा और अनगिनत विकल्पों का है। करियर हो, शहर हो या जीवनशैली, हर जगह बेहतर अवसर की तलाश चल रही है। यही मानसिकता धीरे–धीरे रिश्तों में भी प्रवेश कर गई है। सोशल मीडिया ने नए लोगों तक पहुंच आसान बना दी है। एक क्लिक पर सैकड़ों नए परिचय मिल जाते हैं। ऐसे में कई लोग पुराने रिश्तों को संवारने की बजाय नए विकल्प तलाशने में अधिक रुचि लेने लगे हैं। छोटी–सी नाराजगी, मतभेद या असहमति भी कई बार वर्षों पुराने संबंधों को समाप्त कर देती है।

रिश्तों की मजबूती केवल प्रेम से नहीं, बल्कि धैर्य, संवाद और विश्वास से बनती है। हर संबंध में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन उन्हें बातचीत और समझदारी से सुलझाने की कला धीरे–धीरे कमजोर पड़ रही है। सुविधा और स्वार्थ का बढ़ता प्रभाव भावनाओं पर भारी पड़ता दिखाई देता है। परिणाम यह है कि लोग साथ निभाने की बजाय आगे बढ़ जाना अधिक आसान समझने लगे हैं।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

हालांकि हर रिश्ता हर हाल में निभाना भी उचित नहीं कहा जा सकता। जहां अपमान, हिंसा, छल या मानसिक प्रताड़ना हो, वहां अलग होना आत्मसम्मान का निर्णय है। लेकिन केवल अधिक आकर्षण, अधिक सुविधा या किसी नए विकल्प के कारण संबंध बदल देना समाज में भरोसे की नींव को कमजोर करता है।

रिश्ते किसी नियुक्ति पत्र की तरह नहीं होते, जिन्हें बेहतर पैकेज मिलने पर बदल दिया जाए। वे जीवन की सबसे मूल्यवान पूंजी हैं, जिनकी असली परीक्षा कठिन समय में होती है। जो लोग हर रिश्ते को लाभ–हानि के तराजू पर तौलते हैं, वे अंततः भीड़ में भी अकेले रह जाते हैं।

इसलिए जरूरत इस बात की है कि रिश्तों को अवसर नहीं, उत्तरदायित्व समझा जाए। विश्वास, संवेदना और साथ निभाने की संस्कृति ही समाज को मजबूत बनाती है, और यही जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि भी है।

नजरिया

आस्था की चोरी या कानून की कमजोरी?

राजकुमार गौतम

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की कथित चोरी ने पूरे देश को झकझोर दिया। जिस दानपात्र में लोग अपनी आस्था, विश्वास और मनोकामनाएं डालते हैं, वहां से कथित रूप से रकम गायब होना केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की भावनाओं पर चोट भी माना जा रहा है। स्वाभाविक है कि लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सोशल मीडिया पर फांसी की मांग होने लगी, नेताओं ने उम्रकैद से लेकर संपत्ति जब्त करने तक के सुझाव दे डाले। लेकिन जब भावनाओं की आग ठंडी होती है और कानून की किताब खुलती है, तब तस्वीर कुछ अलग दिखाई देती है।

यही भारतीय लोकतंत्र की सबसे दिलचस्प विडंबना है। चुनावी मंच पर हर अपराध का इलाज फांसी होता है, लेकिन अदालत में वही अपराध कानून की धाराओं से गुजरता है। वहां न नारों की आवाज सुनाई देती है और न टीवी डिबेट का शोर। वहां केवल सबूत, धाराएं और न्यायिक प्रक्रिया बोलती है।

इस पूरे प्रकरण ने एक बार फिर हमारे कानूनों की सीमाओं को उजागर किया है। यदि चोरी का आरोप सिद्ध भी हो जाए तो अधिकतम सजा वही होगी, जो किसी सामान्य चोरी के मामले में निर्धारित है। कानून यह नहीं देखता कि चोरी रेलवे स्टेशन पर हुई, किसी घर में हुई या किसी मंदिर के दानपात्र से। कानून की नजर में अपराध की प्रकृति महत्वपूर्ण है, स्थान की पवित्रता नहीं।

यहीं से जनता का असंतोष शुरू होता है। आम व्यक्ति पूछता है कि क्या मंदिर के चढ़ावे और किसी जेब से निकले सौ रुपये की चोरी को एक ही तराजू पर तौला जाना चाहिए? क्या धार्मिक संस्थानों की संपत्ति के साथ विश्वासघात को अलग श्रेणी का अपराध नहीं माना जाना चाहिए? यह सवाल केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि विधिक विमर्श का विषय भी है।

दूसरी ओर राजनीति भी कम दिलचस्प नहीं है। जब कोई बड़ी घटना होती है तो नेताओं की भाषा अचानक बहुत कठोर हो जाती है। फांसी, बुलडोजर, उम्रकैद, संपत्ति जब्ती–शब्दों की पूरी शब्दावली सामने आ जाती है। ऐसा लगता है मानो संसद की जगह फैसला चुनावी मंच पर ही हो जाएगा। लेकिन यदि वास्तव में इतने कठोर कानूनों की आवश्यकता महसूस होती है तो सवाल यह भी उठता है कि वर्षों तक सत्ता में रहने वाले दलों ने ऐसे कानून बनाए क्यों नहीं?

भारतीय राजनीति में कानून बनाने से ज्यादा आसान कानून पर भाषण देना है। कानून संशोधन में बहस, समिति, विशेषज्ञ और संसदीय प्रक्रिया लगती है, जबकि मंच से फांसी की मांग करने में केवल एक मिनट लगता है। जनता तालियां बजाती है, कैमरे रिकॉर्ड करते हैं और अगले दिन नई बहस शुरू हो जाती है। यह भी सच है कि आस्था का आर्थिक पक्ष आज बहुत बड़ा हो चुका है। देश के बड़े मंदिरों में प्रतिदिन करोड़ों रुपये का चढ़ावा आता है। यह धन केवल धार्मिक गतिविधियों का नहीं, बल्कि सामाजिक और जनकल्याण कार्यों का भी आधार बनता है। ऐसे में यदि इस धन में कथित सेंध लगती है तो उसका प्रभाव केवल मंदिर तक सीमित नहीं रहता।

लेकिन इस घटना का दूसरा पहलू भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। आखिर इतनी बड़ी राशि तक कथित रूप से पहुंच कैसे बनी? क्या सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त थी? क्या लेखा–जोखा प्रणाली पूरी तरह पारदर्शी थी? क्या निगरानी तंत्र मजबूत था? केवल चोर को दोषी ठहराना आसान है, लेकिन सुरक्षा में हुई संभावित चूक की समीक्षा भी उतनी ही जरूरी है। मजबूत ताला केवल ईमानदार चौकीदार से नहीं, बल्कि मजबूत व्यवस्था से बनता है।

व्यंग्य यही है कि हमारे यहां हर बड़ी घटना के बाद जांच समिति बनती है, फिर विशेष जांच दल बनता है, फिर रिपोर्ट आती है और उसके बाद सब कुछ धीरे–धीरे सामान्य हो जाता है। जनता का गुस्सा भी समय के साथ ठंडा पड़ जाता है। अगले मुद्दे तक पुराना मामला इतिहास बन जाता है।

कानून विशेषज्ञों की राय ने एक महत्वपूर्ण बहस को जन्म दिया है कि क्या चोरी से जुड़े प्रावधानों में बदलाव की आवश्यकता है। यदि किसी अपराध से करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाएं प्रभावित होती हैं और सार्वजनिक विश्वास को गहरी चोट पहुंचती है, तो क्या उसके लिए अलग दंड व्यवस्था होनी चाहिए? यह निर्णय अदालत नहीं, संसद को करना होगा।

हालांकि दूसरी ओर सावधानी भी जरूरी है। भावनाओं के आधार पर कानून बनाना हमेशा उचित नहीं होता। यदि हर अपराध के लिए भीड़ की मांग के अनुसार सजा तय होने लगे तो न्याय व्यवस्था भीड़तंत्र में बदल जाएगी। इसलिए कानून का संतुलन बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है जितना अपराध पर कठोरता दिखाना।

इस घटना ने हमें एक और आईना दिखाया है। हम अक्सर मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और चर्चों को केवल पूजा स्थल मानते हैं, लेकिन आज वे बड़े आर्थिक संस्थान भी हैं। जहां धन है, वहां अपराध की संभावना भी रहती है। इसलिए आधुनिक तकनीक, डिजिटल ऑडिट, बहुस्तरीय निगरानी और जवाबदेही की व्यवस्था अब धार्मिक संस्थानों की आवश्यकता बन चुकी है, विकल्प नहीं।

सबसे बड़ा व्यंग्य शायद यही है कि भगवान के घर में चोरी करने वाला यदि कानून की कमजोर धाराओं का सहारा लेकर अपेक्षाकृत कम सजा पा सकता है, तो दोष केवल आरोपी का नहीं, व्यवस्था का भी है। अपराधी अवसर तलाशता है, लेकिन अवसर व्यवस्था की कमजोरियां देती हैं।

लोकतंत्र में कानून जनता की भावनाओं और संविधान के बीच संतुलन बनाता है। यदि समाज मानता है कि वर्तमान कानून पर्याप्त नहीं हैं तो उसका समाधान अदालत से अधिक संसद में है। वहां बहस हो, विशेषज्ञों की राय ली जाए और यदि आवश्यक हो तो संशोधन किया जाए। केवल टीवी स्टूडियो में कठोर सजा की मांग करने से न कानून बदलता है और न अपराध कम होते हैं। अंततः यह मामला केवल श्रीराम मंदिर का नहीं है। यह भारत की न्याय व्यवस्था, राजनीतिक संस्कृति और प्रशासनिक जवाबदेही–तीनों की परीक्षा है। यदि दोष सिद्ध होता है तो कानून के अनुसार कठोरतम उपलब्ध दंड मिलना चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित होना चाहिए कि भविष्य में किसी भी धार्मिक या सार्वजनिक संस्था की आस्था और संपत्ति पर ऐसी कथित सेंध लगाने का अवसर ही न मिले।

क्योंकि भगवान को शायद अपने धन की चिंता नहीं होगी, लेकिन लोकतंत्र को अपने कानून की चिंता अवश्य होनी चाहिए। और यदि कानून समय के साथ नहीं बदले, तो फिर हर बड़ी चोरी के बाद जनता यही पूछती रहेगी–"चोर बदले या न बदले, आखिर कानून कब बदलेगा?"

विचार विंडो

ममता या ऋतब्रत में किसे मिलेगा टीएमसी का असली अधिकार

बोध प्रकाश सगुणी

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां केवल एक राजनीतिक दल का भविष्य ही नहीं, बल्कि देश की चुनावी व्यवस्था की निष्पक्षता भी परीक्षा के दौर से गुजर रही है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में कथित अंदरूनी विभाजन के बाद पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह पर अधिकार का विवाद चुनाव आयोग के दरवाजे तक पहुंच गया है। राज्यसभा की तीन सीटों पर 24 जुलाई को होने वाले उपचुनाव ने इस विवाद को और गंभीर बना दिया है। यदि दोनों गुट अलग–अलग उम्मीदवार उतारते हैं, तो चुनाव आयोग को यह तय करना होगा कि वास्तविक टीएमसी कौन–सी है।

यह विवाद केवल एक पार्टी का आंतरिक मामला नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की वैधानिक पहचान, आंतरिक लोकतंत्र और चुनाव आयोग की संवैधानिक भूमिका से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। ऐसे मामलों में चुनाव आयोग का हर फैसला भविष्य के लिए एक मिसाल भी बन जाता है।

भारतीय चुनाव प्रणाली में किसी भी राजनीतिक दल का चुनाव चिन्ह उसकी सबसे बड़ी पहचान होता है। खासकर क्षेत्रीय दलों के लिए चुनाव चिन्ह केवल एक निशान नहीं बल्कि करोड़ों मतदाताओं के विश्वास, संगठन और राजनीतिक विरासत का प्रतीक होता है। टीएमसी का 'जुड़वां फूल' चुनाव चिन्ह भी पश्चिम बंगाल की राजनीति में दो दशक से अधिक समय से एक स्थापित पहचान बना हुआ है। ऐसे में यदि इस चिन्ह पर दो गुट दावा करें तो मामला केवल तकनीकी नहीं रह जाता, बल्कि राजनीतिक और कानूनी दोनों दृष्टियों से अत्यंत संवेदनशील हो जाता है।

चुनाव आयोग के पास ऐसे विवादों के समाधान के लिए स्पष्ट कानूनी व्यवस्था मौजूद है। चुनाव चिन्ह (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश, 1968 के अनुसार आयोग तीन प्रमुख आधारों पर निर्णय करता है–पार्टी के मूल उद्देश्य और सिद्धांत, पार्टी का संविधान तथा संगठन और निर्वाचित प्रतिनिधियों में बहुमत। व्यवहारिक रूप

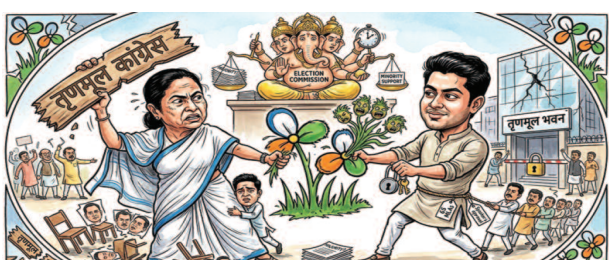

से देखा जाए तो अधिकांश मामलों में संगठन और विधायकों–सांसदों के बहुमत को सबसे अधिक महत्व दिया जाता है। हालांकि आयोग केवल संख्याबल के आधार पर फैसला नहीं करता, बल्कि पूरे संगठनात्मक ढांचे और वैधानिक प्रक्रियाओं का भी परीक्षण करता है।

यदि राज्यसभा उपचुनाव से पहले आयोग किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचता, तो उसके पास पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह अस्थायी रूप से फ्रीज करने का विकल्प भी है। ऐसी स्थिति में दोनों गुटों को अलग–अलग अस्थायी नाम और चुनाव चिन्ह देकर चुनाव लड़ने की अनुमति दी जा सकती है। भारतीय राजनीति में इसका उदाहरण पहले भी देखने को मिल चुका है। शिवसेना के विभाजन के दौरान आयोग ने यही प्रक्रिया अपनाई थी और बाद में विस्तृत सुनवाई के बाद अंतिम निर्णय सुनाया था। इससे यह स्पष्ट होता है कि चुनाव आयोग जल्दबाजी के बजाय कानूनी प्रक्रिया को प्राथमिकता देता है।

राज्यसभा चुनाव के संदर्भ में यह विवाद इसलिए और महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि यहां राजनीतिक दलों की अधिकृत पहचान का सीधा संबंध उम्मीदवारों की वैधता से होता है। अधिकृत एजेंट की नियुक्ति के लिए जमा होने वाले फॉर्म और उम्मीदवारों की आधिकारिक मान्यता को लेकर यदि दोनों गुट अलग–अलग दावा करेंगे, तो चुनाव आयोग को मतदान से पहले ही स्थिति स्पष्ट करनी होगी। अन्यथा नामांकन, मतदान और परिणाम–तीनों पर कानूनी विवाद खड़ा हो सकता है। इस पूरे घटनाक्रम का एक बड़ा राजनीतिक संदेश भी है। पिछले कुछ वर्षों में देश की कई प्रमुख राजनीतिक पार्टियां आंतरिक विभाजन का सामना कर चुकी हैं। शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और अन्य दलों के बाद अब यदि टीएमसी भी इसी स्थिति में पहुंचती है, तो यह राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र की कमी की ओर संकेत करता है।

जब किसी दल के भीतर संवाद और लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है, तब विवाद अंततः अदालतों और चुनाव आयोग तक पहुंचते हैं। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए आदर्श नहीं मानी जा सकती।

चुनाव आयोग की निष्पक्षता और विश्वसनीयता इस पूरे मामले की सबसे बड़ी कसौटी होगी। आयोग को न केवल कानूनी प्रावधानों का पालन करना होगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उसके निर्णय पर किसी प्रकार के राजनीतिक पक्षपात का आरोप न लगे। आयोग का फैसला जितना पारदर्शी और तथ्यों पर आधारित होगा, उतना ही लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास मजबूत होगा। राजनीतिक दलों को भी इस घटनाक्रम से सबक लेने की आवश्यकता है। किसी भी दल की वास्तविक ताकत केवल उसके नेता में नहीं, बल्कि उसके संगठनात्मक ढांचे, आंतरिक लोकतंत्र और कार्यकर्ताओं के विश्वास में होती है। यदि मतभेदों का समाधान पार्टी के भीतर नहीं होगा, तो अंततः संवैधानिक संस्थाओं को हस्तक्षेप करना पड़ेगा, जिससे राजनीतिक अस्थिरता और बढ़ेगी।

फिलहाल देश की निगाहें चुनाव आयोग के अगले कदम पर टिकी हैं। यह फैसला केवल यह तय नहीं करेगा कि टीएमसी का वास्तविक नेतृत्व किसके पास रहेगा, बल्कि यह भी बताएगा कि भारतीय लोकतंत्र की संस्थाएं राजनीतिक संकटों का समाधान कितनी निष्पक्षता, पारदर्शिता और संवैधानिक मर्यादा के साथ करती हैं। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि व्यक्ति नहीं, बल्कि कानून और संस्थाएं अंतिम निर्णय का आधार बनें।

फर्जी बयान पर फूटा सूर्या का गुस्सा, वैभव को दिया खास संदेश

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सोशल मीडिया पर उनके नाम से वायरल हो रहे कथित बयान पर आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ दी है। पिछले कुछ दिनों से इंटरनेट पर एक पोस्ट तेजी से वायरल हो रही थी, जिसमें दावा किया जा रहा था कि सूर्यकुमार ने टीम इंडिया के प्रदर्शन को लेकर विवादित टिप्पणी की है। इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई थीं। अब स्वयं सूर्यकुमार यादव ने सामने आकर पूरे मामले को अफवाह करार देते हुए सच्चाई स्पष्ट कर दी है। सूर्यकुमार यादव ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि वह भारतीय टीम के लिए हमेशा खुश रहते हैं और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि टीम के सभी खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें

उनका पूरा समर्थन हमेशा मिलता रहेगा। उन्होंने प्रशंसकों से अपील की कि किसी भी अपुष्ट जानकारी पर भरोसा न करें और उसे आगे साझा करने से बचें। सूर्या ने साफ शब्दों में कहा कि सोशल मीडिया पर उनके नाम से जो बयान वायरल किया जा रहा है, उसका उनसे कोई संबंध नहीं है। उन्होंने न तो ऐसा कोई बयान दिया है और न ही किसी को उनके नाम से ऐसी बातें प्रचारित करने की अनुमति दी है। उन्होंने कहा कि झूठी खबरें खिलाड़ियों की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं और लोगों को ऐसी अफवाहों से सावधान रहना चाहिए। अपने संदेश में सूर्यकुमार यादव ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के लिए भी खास शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा कि वैभव एक शानदार क्रिकेट सफर की शुरुआत कर रहे हैं और उन्हें हर पल का आनंद लेना चाहिए। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि वैभव आने वाले समय में देश का नाम लगातार रोशन करेंगे और भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ी उपलब्धियां हासिल करेंगे। सूर्यकुमार ने यह भी दोहराया कि भारतीय क्रिकेट, अपने साथियों और इस खेल के प्रति उनका सम्मान और समर्थन हमेशा बना रहेगा। उन्होंने कहा कि कुछ झूठे बयानों से उनकी सोच या टीम के प्रति उनकी प्रतिबद्धता नहीं बदल सकती। हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर खिलाड़ियों के नाम से फर्जी पोस्ट और बयान तेजी से वायरल होने की घटनाएं बढ़ी हैं। ऐसे मामलों में खिलाड़ी खुद सामने आकर सफाई दे रहे हैं। सूर्यकुमार यादव की यह प्रतिक्रिया भी इसी कड़ी का हिस्सा है, जिसमें उन्होंने प्रशंसकों से केवल आधिकारिक स्रोतों से मिली जानकारी पर ही भरोसा करने की अपील की है।

विवेक के लिए फरिश्ता बने अक्षय कुमार

2003 का किस्सा, जिसने बदल दी जिंदगी

स्टार नहीं, बने सच्चे हमदर्द

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने हाल ही में अपने करियर के सबसे कठिन दौर को याद करते हुए अक्षय कुमार के प्रति आभार जताया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2003 में जब उन्हें इंडस्ट्री में लगातार रिजेक्शन और बॉयकॉट का सामना करना पड़ रहा था, तब अक्षय कुमार ने उनका हौसला बढ़ाने के साथ-साथ काम दिलाने में भी मदद की। विवेक ने एक इंटरव्यू में बताया कि उस समय वे मानसिक रूप से बेहद परेशान थे। तभी अक्षय कुमार का फोन आया। बातचीत के कुछ ही समय बाद अक्षय खुद उनके घर पहुंचे, उनकी परेशानियां सुनीं और उन्हें सकारात्मक सोच बनाए रखने की सलाह दी। विवेक के अनुसार, अक्षय ने कहा कि उनके पास कई स्टेज शो और प्रोजेक्ट्स हैं, लेकिन व्यस्तता के कारण वे उन्हें नहीं कर पाएंगे। इसलिए उन्होंने वे मौके विवेक को देने की पेशकश की। विवेक ने कहा कि उन्हें यकीन ही नहीं हुआ कि इंडस्ट्री का इतना बड़ा स्टार अपने काम का मौका किसी दूसरे कलाकार को दे सकता है। उन्होंने बताया कि इन शो की बदौलत उन्हें फिर से दर्शकों का प्यार मिला, आत्मविश्वास लौटा और आर्थिक रूप से भी मजबूती मिली। विवेक ने कहा कि अक्षय ने सिर्फ सहानुभूति नहीं दिखाई, बल्कि एक व्यावहारिक समाधान देकर उन्हें दोबारा खड़ा होने का मौका दिया। यही वजह है कि वे आज भी उस मदद को अपने करियर का अहम मोड़ मानते हैं।

'सतलुज' विवाद में दिलजीत के समर्थन में उतरे राम गोपाल वर्मा

'फिल्म नहीं, एक जख्म है सतलुज'

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने अभिनेता और गायक दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलुज' को लेकर चल रहे विवाद पर खुलकर अपनी राय रखी है। से फिल्म हटाए जाने की खबरों के बीच वर्मा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए फिल्म का समर्थन किया और इसे केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि एक दर्दनाक सच्चाई से जुड़ी कहानी बताया। राम गोपाल वर्मा ने लिखा कि "'सतलुज' सिर्फ फिल्म नहीं, बल्कि एक जख्म है। इसका हाल भी जसवंत सिंह खालड़ा जैसा मत होने देना।" उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई है। कई लोग उनके समर्थन में नजर आए, जबकि कुछ यूजर्स ने अलग राय भी व्यक्त की। बताया जा रहा है कि फिल्म के डिजिटल प्लेटफॉर्म से हटाए जाने को लेकर विवाद लगातार बढ़ रहा है। हालांकि, इस मामले में संबंधित पक्षों की ओर से आधिकारिक रूप से विस्तृत बयान सामने नहीं आया है। फिल्म 'सतलुज' अपने विषय और कहानी को लेकर पहले से ही चर्चा में रही है। अब राम गोपाल वर्मा के बयान ने इस विवाद को नई चर्चा दे दी है। सोशल मीडिया पर फिल्म, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और ओटीटी प्लेटफॉर्म की भूमिका को लेकर भी बहस तेज हो गई है। ऐसे में सभी की नजर अब इस विवाद से जुड़े आगे के घटनाक्रम पर बनी हुई है।

अंशुला की शादी में छाईं जाह्नवी-खुशी, बहनों ने जीता दिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। कपूर परिवार में खुशियों का माहौल देखने को मिला, जब बोनी कपूर की बड़ी बेटी अंशुला कपूर शादी के बंधन में बंध गईं। शादी समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इनमें अंशुला के वेडिंग लुक के साथ उनकी सौतेली बहनें जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर भी अपनी मौजूदगी से महफिल लूटती नजर आईं। दोनों बहनों ने पूरे उत्साह के साथ शादी की रस्मों में हिस्सा लिया और पारिवारिक रिश्तों की खूबसूरत मिसाल पेश की। वायरल तस्वीरों में अंशुला कपूर पारंपरिक दुल्हन के रूप में बेहद खूबसूरत दिखाई दे रही हैं।

मांग में सिंदूर, हाथों में चूड़ा और चेहरे की मुस्कान उनके खास दिन को और यादगार बना रही है। उनके वेडिंग लुक की सोशल मीडिया पर खूब तारीफ हो रही है। वहीं, जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर ने भी शादी की कई पारंपरिक रस्मों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दोनों बहनें पूरे परिवार के साथ हर पल को खास बनाती नजर आईं।

पारंपरिक अंदाज में निभाईं शादी की रस्में

बहनों ने निभाईं हर रस्म, वेडिंग लुक बना चर्चा

शादी के दौरान उन्होंने छोटी बहनों का फर्ज निभाते हुए कई रस्मों में अंशुला का साथ दिया। उनकी बॉन्डिंग ने फैंस का दिल जीत लिया। समारोह में कपूर परिवार के कई सदस्य और करीबी दोस्त भी शामिल हुए। पूरे आयोजन में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ शादी की रस्में निभाई गईं। रंग-बिरंगे परिधानों और पारिवारिक माहौल ने इस समारोह को और भी खास बना दिया। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों में परिवार के सदस्यों के बीच अपनापन और खुशी साफ झलक रही है। जाह्नवी और खुशी कपूर के ट्रेडिशनल लुक की भी खूब चर्चा हो रही है। दोनों ने भारतीय परिधान में बेहद खूबसूरत अंदाज पेश किया, जिसे फैंस ने काफी पसंद किया। उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं और लोग उनकी सादगी व एलिगेंस की तारीफ कर रहे हैं। अंशुला कपूर लंबे समय से सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं और अपने परिवार के साथ मजबूत रिश्तों के लिए जानी जाती हैं। शादी की इन तस्वीरों ने एक बार फिर दिखाया कि कपूर परिवार के बीच आपसी प्यार और अपनापन कितना मजबूत है। फैंस लगातार नवविवाहित जोड़े को शुभकामनाएं दे रहे हैं, जबकि जाह्नवी और खुशी की बहन के प्रति भावनात्मक मौजूदगी भी लोगों का ध्यान खींच रही है। शादी समारोह की ये झलकियां सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

बेल्जियम का धमाका, मेजबान अमेरिका टूर्नामेंट से बाहर

यूनिक समय, नई दिल्ली। सिएटल। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 मुकाबले में बेल्जियम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान अमेरिका को 4-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। पूरे मैच में बेल्जियम की टीम ने आक्रामक खेल दिखाया और अमेरिकी खिलाड़ियों को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ अब बेल्जियम का अगला मुकाबला मजबूत स्पेन से होगा। मैच की शुरुआत से ही बेल्जियम ने दबदबा कायम रखा। नौवें मिनट में चार्ल्स डी केटेलारे ने पहला गोल कर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। अमेरिका ने 31वें मिनट में मलिक टिलमैन के गोल की बदौलत स्कोर 1-1 से बराबर कर लिया, लेकिन यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। महज दो मिनट बाद डी केटेलारे ने अपना दूसरा गोल दागकर बेल्जियम को फिर से बढ़त दिला दी। पहले हाफ में 2-1 की बढ़त लेने के बाद बेल्जियम ने दूसरे हाफ में भी अपना दबदबा बनाए रखा। 57वें मिनट में हांस वनाकेन ने तीसरा गोल कर अमेरिका की मुश्किलें बढ़ा दीं। इसके बाद अमेरिकी टीम ने वापसी की कोशिश जरूर की, लेकिन बेल्जियम की मजबूत रक्षा पंक्ति और तेज आक्रमण के सामने उसकी एक नहीं चली। इंजरी टाइम (90+3 मिनट) में अनुभवी स्ट्राइकर रोमेलु लुकाकू ने चौथा गोल दागकर जीत पर मुहर लगा दी। इस जीत के साथ बेल्जियम ने मेजबान अमेरिका का विश्व कप सफर समाप्त कर दिया। अमेरिका के लिए राहत की बात यह थी कि स्टार खिलाड़ी फोलारिन बालोगुन की टीम में वापसी हुई थी। रेड कार्ड के कारण उन पर लगा एक मैच का प्रतिबंध फीफा ने हटा दिया था, लेकिन उनकी

डी केटेलारे के डबल गोल ने पलटा मैच

मौजूदगी भी टीम को हार से नहीं बचा सकी। अमेरिकी डिफेंस ने कई अहम मौकों पर गलतियां कीं, जिसका बेल्जियम ने पूरा फायदा उठाया। इस मुकाबले में चार्ल्स डी केटेलारे जीत के सबसे बड़े नायक रहे। उनके दो गोलों ने बेल्जियम को मजबूत शुरुआत दिलाई और टीम का आत्मविश्वास बढ़ाया। अब सभी की नजर क्वार्टर फाइनल पर होगी, जहां बेल्जियम का सामना स्पेन से होगा। स्पेन ने अपने पिछले मुकाबले में पुर्तगाल को 1-0 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई थी। ऐसे में दोनों यूरोपीय दिग्गजों के बीच होने वाला मुकाबला टूर्नामेंट के सबसे रोमांचक मैचों में से एक माना जा रहा है।

धर्मेंद्र की आखिरी चाह, परिवार रहे साथ

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन के बाद पहली बार हेमा मालिनी ने उनके परिवार और आखिरी इच्छा को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि धर्मेंद्र हमेशा चाहते थे कि परिवार के सभी सदस्य एकजुट रहें और एक-दूसरे के साथ समय बिताएं। हेमा ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी सीख थी, "काम चलता रहेगा, लेकिन परिवार को सबसे ज्यादा अहमियत दो।" उन्होंने सनी देओल और बॉबी देओल की तारीफ करते हुए कहा कि दोनों बेहद अच्छे और स्नेही हैं। हेमा के अनुसार, परिवार दिखावे में विश्वास नहीं करता, लेकिन सभी दिल से एक-दूसरे से जुड़े हैं। उन्होंने यह भी याद किया कि धर्मेंद्र अपने प्रशंसकों से बेहद आत्मीयता से मिलते थे, उन्हें घर बुलाते थे और सम्मान के साथ उनका स्वागत करते थे। यही उनकी सबसे बड़ी पहचान थी।

आज हारी टीम इंडिया तो बनेगा हार का नया रिकॉर्ड

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला आज ट्रेंट ब्रिज में खेला जाएगा। यह मैच टीम इंडिया और कप्तान श्रेयस अय्यर, दोनों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। यदि भारतीय टीम इस मुकाबले में हार जाती है, तो वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में लगातार पांच मैच बिना जीत के रहने का अपना सबसे खराब रिकॉर्ड दर्ज करेगी। आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के बाद से भारतीय टीम अब तक चार टी 20 मैच खेल चुकी है, लेकिन जीत का खाता नहीं खोल सकी है। आयरलैंड के खिलाफ लगातार दो हार के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया, जबकि दूसरे मुकाबले में भारत को हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में टीम का जीत का इंतजार लगातार बढ़ता जा रहा है। श्रेयस अय्यर

श्रेयस के सामने करो या मरो की चुनौती

की कप्तानी में टीम इंडिया अब तक एक भी टी 20 मुकाबला नहीं जीत सकी है। यदि आज भी हार मिलती है, तो उनकी कप्तानी पर सवाल और तेज हो सकते हैं। साथ ही इंग्लैंड सीरीज जीतने की भारत की उम्मीदों को भी बड़ा झटका लगेगा। मुकाबला भारतीय समयानुसार रात 10 बजे शुरू होगा, जबकि टॉस 9:30 बजे होगा। इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग इलेवन पहले ही घोषित कर दी है, वहीं भारत की अंतिम टीम टॉस के समय सामने आएगी। क्रिकेट प्रशंसकों की नजर अब इस बात पर होगी कि क्या टीम इंडिया जीत के साथ वापसी करेगी या फिर हार का नया रिकॉर्ड उसके नाम दर्ज होगा।

राम मंदिर ट्रस्ट बैठक में हुए कई अहम फैसले

ट्रस्ट संविधान के चलते चंपत राय का इस्तीफा किया मंजूर

यूनिक समय, अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अहम बैठक में सोमवार को महासचिव चंपत राय के इस्तीफे, ट्रस्ट की व्यवस्थाओं और भविष्य की प्रशासनिक संरचना को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सूत्रों के अनुसार, बैठक में अधिकांश ट्रस्ट सदस्यों की राय थी कि चंपत राय का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन ट्रस्ट के संविधान में मौजूद प्रावधान के कारण इसे प्रभावी माना गया। बैठक की शुरुआत ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने की। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाओं से रामभक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंची है और इसी वजह से चंपत राय ने त्यागपत्र दिया है। इसके बाद ऑनलाइन जुड़े वरिष्ठ विधिवेत्ता के. परासरन ने ट्रस्ट के संविधान का संबंधित प्रावधान पढ़कर बताया कि महासचिव का त्यागपत्र दिए जाने के साथ ही प्रभावी माना जाएगा। इसके बाद ट्रस्ट ने औपचारिक रूप से इस्तीफे को स्वीकार कर लिया। बैठक में ट्रस्टी डॉ. अनिल

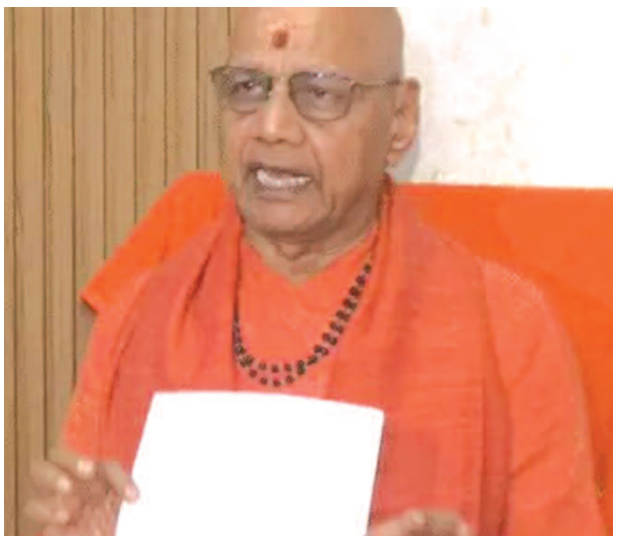

मिश्रा की भूमिका पर भी चर्चा हुई। सदस्यों ने मंदिर की व्यवस्थाओं से जुड़े मामलों में उनकी जिम्मेदारी पर सवाल उठाए। वहीं, आमंत्रित सदस्य गोपाल राव को भी ट्रस्ट से हटाने पर सहमति बनी। कुछ सदस्यों ने आरोप लगाया कि उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं और परंपराओं के निर्वहन में अपेक्षित भूमिका नहीं निभाई। बैठक के दौरान मंदिर के प्रशासनिक ढांचे को और मजबूत बनाने पर भी चर्चा हुई। सर्वसम्मति से सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा (आईएफएस) अधिकारी कृष्ण मोहन को कार्यवाहक महासचिव की

चंपत के इस्तीफे के खिलाफ थे ज्यादातर सदस्य

गोपाल राव हटाया गया

जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही ट्रस्ट के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने पर भी सहमति बनी। चयन प्रक्रिया के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति मानक तय करेगी, जिस पर अगली बैठक में विचार किया जाएगा। बैठक में मंदिर को दान स्वरूप प्राप्त वस्तुओं का रिकॉर्ड सार्वजनिक करने का भी निर्णय लिया गया, ताकि श्रद्धालुओं के बीच किसी प्रकार का भ्रम न रहे। ट्रस्ट ने पारदर्शिता बढ़ाने और व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में आगे भी आवश्यक कदम उठाने की बात कही।

चंपत राय विहिप उपाध्यक्ष रहेंगे

चढ़ावा चोरी के पांच आरोपियों को रिमांड पर लेगी पुलिस

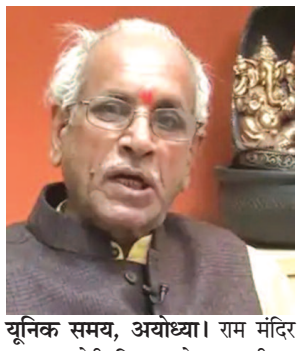

चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस पूछताछ की तैयारी

विहिप बोला, आरोप सिद्ध होने तक इंतजार जरूरी

यूनिक समय, अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपत राय फिलहाल विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने रहेंगे। विहिप के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने स्पष्ट किया कि केवल आरोप लगने के आधार पर किसी के खिलाफ कार्रवाई उचित नहीं है।

उनका कहना है कि जब तक आरोप सिद्ध नहीं हो जाते, तब तक संगठन कोई निर्णय नहीं लेगा। इधर, चंपत राय राम मंदिर के निकट रामकोट स्थित तीर्थ क्षेत्र पुरम में रह रहे हैं। उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है और उनसे मिलने के लिए विहिप व सहयोगी संगठनों के पदाधिकारियों को भी पूर्व अनुमति लेनी पड़ रही है। दूसरी ओर, चढ़ावा चोरी मामले में गिरफ्तार पांच आरोपियों की पुलिस रिमांड को लेकर फैजाबाद एंटी करप्शन कोर्ट में सुनवाई होनी है। पुलिस ने अनुकल्प मिश्र, लवकुश, रमाशंकर मिश्र, अविनाश शुक्ला और करुणेश पांडेय को रिमांड पर लेकर पूछताछ की तैयारी की है, ताकि मामले से जुड़े अन्य तथ्यों का पता लगाया जा सके। इस बीच, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रेस वार्ता में आरोप लगाया कि इस मामले से करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि यदि शिकायतों की समय रहते निष्पक्ष जांच होती, तो स्थिति इतनी गंभीर नहीं बनती। पुलिस और जांच एजेंसियां अब पूरे मामले की जांच आगे बढ़ा रही हैं।

शादी की जिद में 40 फीट ऊंचे बिजली टावर पर चढ़ा कोचिंग संचालक

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज के मऊआइमा थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक कोचिंग संचालक ने अपनी छात्रा से शादी की मांग को लेकर हाईटेंशन बिजली के टावर पर चढ़कर तीन घंटे तक हाईवोल्टेज ड्रामा किया। युवक करीब 40 फीट ऊंचाई पर बैठ गया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। सूचना मिलने पर पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास शुरू किए। पुलिस के समझाने पर युवक ने टावर से एक पत्र नीचे फेंका, जिसमें उसने अपनी प्रेमिका से विवाह कराने की मांग की। अधिकारियों ने उसकी बात सुनने और उचित कार्रवाई का भरोसा दिया, जिसके बाद करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद वह नीचे उतर आया। पूछताछ में युवक ने बताया कि वह गांव में कोचिंग चलाता है और उसकी छात्रा से प्रेम संबंध हैं।

दोनों विवाह करना चाहते हैं, लेकिन युवती के परिजन इस रिश्ते के लिए तैयार नहीं हैं। पुलिस ने दोनों परिवारों को थाने बुलाकर बातचीत कराई, जहां

प्रेम विवाह मांग पर पुलिस करती रही समझाइश

छात्रा के परिजनों ने उसकी कम उम्र और सामाजिक कारणों का हवाला देते हुए शादी से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिस ने युवक के खिलाफ शांति भंग की आशंका में कानूनी कार्रवाई की। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि व्यक्तिगत विवादों का समाधान कानून और बातचीत के माध्यम से करें तथा इस तरह जान जोखिम में डालने वाले कदम न उठाएं। घटना पूरे दिन क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी रही।

यूपी के 50 शहरों में झमाझम बारिश, जनजीवन प्रभावित

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसून ने पूरी तरह रफ्तार पकड़ ली है। मंगलवार सुबह से लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, मथुरा, मेरठ, चंदौली, मुरादाबाद समेत 50 से अधिक शहरों में तेज बारिश दर्ज की गई। कई जिलों में जलभराव और तेज बहाव के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है, जबकि आठ जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। सबसे अधिक असर शामली और मथुरा में देखने को मिला। शामली में सड़कों पर पानी का बहाव इतना तेज था कि कई कारें और बाइक पानी में बहती नजर आईं। वहीं मथुरा के वृंदावन में सड़कें नदी जैसी दिखाई दीं और यातायात प्रभावित हो गया। अमरोहा में महज एक घंटे की बारिश से दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर जलभराव हो गया,

जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। वाराणसी में घाटों की सीढ़ियों से झरने की तरह पानी बहता दिखाई दिया। तेज हवा और खराब मौसम को देखते हुए नाविकों ने गंगा में नावों का संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया। हापुड़ के गोल मार्केट में जलभराव के कारण दुकानों में पानी घुस गया और व्यापारियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बुलंदशहर में भी एक घंटे की बारिश से कई सड़कों पर दो फीट तक पानी भर गया। सहारनपुर में मां शाकंभरी देवी मंदिर के पास बहने

शामली में सड़कें बनीं तेज बहती नदियां

प्रदेश के सभी जिलों में बारिश का अलर्ट

वाली नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से पुलिस ने श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को लाउडस्पीकर के जरिए सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से प्रदेश में मानसून सक्रिय हुआ है। अगले 24 घंटों के दौरान कई जिलों में भारी बारिश, तेज हवाएं और जलभराव की स्थिति बने रहने की संभावना जताई गई है। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने और सतर्क रहने की अपील की है।

छह हत्याओं का आरोपी आसिफ मुठभेड़ में ढेर

यूनिक समय, अंबेडकर नगर। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने मंगलवार तड़के अंबेडकरनगर में मुठभेड़ के दौरान कुख्यात अपराधी आसिफ अली को मार गिराया। पुलिस के अनुसार, करीब एक लाख रुपये के इनामी आसिफ पर उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा में हत्या, डकैती और लूट समेत लगभग 20 आपराधिक मामले दर्ज थे। वह छह हत्याओं के मामलों में वांछित था और लंबे समय से फरार चल रहा था। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि आसिफ किसी बड़ी वारदात की तैयारी में अंबेडकरनगर के जगदीशपुर क्षेत्र में मौजूद है। टीम ने इलाके की घेराबंदी की, लेकिन खुद को घिरता देख उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके सीने में दो गोलियां लगीं। घायल अवस्था में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। पुलिस ने घटनास्थल से एक पिस्टल, 12 बोर

फायरिंग के बाद जवाबी कार्रवाई में मारा गया

का तमंचा और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। अधिकारियों के अनुसार, आसिफ कुख्यात छैमार गैंग का सरगना था। यह गिरोह रात के समय कच्छा-बनियान पहनकर घरों में घुसता, परिवारों को बंधक बनाकर लूटपाट करता और विरोध करने पर हत्या कर फरार हो जाता था। वारदात के बाद गिरोह के सदस्य नाम और ठिकाना बदलकर दूसरे राज्यों में छिप जाते थे। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, आसिफ सुल्तानपुर, जौनपुर, कौशांबी, मुजफ्फरनगर और कानपुर देहात समेत कई जिलों में डकैती और हत्या की सनसनीखेज घटनाओं में शामिल रहा। एसटीएफ का कहना है कि उसके मारे जाने से गिरोह की गतिविधियों पर बड़ा असर पड़ेगा। फिलहाल पुलिस उसके अन्य साथियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

टायर फटा, पलभर में उजड़ गई तीन जिंदगियां

यूनिक समय, मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के दौराला क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में दिल्ली के तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार कार का टायर अचानक फट गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। इसके बाद कार सड़क किनारे खाई में जा गिरी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और राहत टीम ने सभी घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया। चौथे घायल की हालत गंभीर होने के कारण उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, सभी युवक दिल्ली के रहने वाले थे और किसी काम से यात्रा पर निकले थे। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। घटना के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया है।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर कांग्रेस का प्रदर्शन

यूनिक समय, आगरा। राममंदिर चढ़ावा चोरी और चंदा संग्रह में कथित अनियमितताओं के विरोध में मंगलवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आगरा में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने जैन मंदिर से मनकामेश्वर मंदिर तक पैदल मार्च निकालने की योजना बनाई थी, लेकिन पुलिस ने शुरुआत में ही उन्हें रोक दिया। इस दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की भी हुई। पुलिस की रोक के बावजूद कुछ कार्यकर्ता आगे बढ़ने लगे, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर थाने भेज दिया। गिरफ्तारी के बाद कई वरिष्ठ नेता पीछे हट गए, जिससे कार्यकर्ताओं के बीच आपसी बहस शुरू हो गई। कुछ कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ नेताओं पर पुलिस के दबाव में पीछे हटने का आरोप लगाया। गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस

गिरफ्तारी पर कांग्रेसियों में आपसी विवाद भी हुआ

कार्यकर्ता जैन मंदिर के बाहर धरने पर बैठ गए। उन्होंने मांग की कि हिरासत में लिए गए सभी कार्यकर्ताओं को वापस लाया जाए, तभी धरना समाप्त होगा। करीब एक घंटे तक चले गतिरोध के बाद पुलिस गिरफ्तार कार्यकर्ताओं को वापस लेकर आई।

इसके बाद कांग्रेसियों ने जैन मंदिर में दर्शन किए और शांतिपूर्वक लौट गए। कांग्रेस ने राममंदिर चढ़ावा और चंदा संग्रह में कथित गड़बड़ियों की सीबीआई जांच की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि बिना अनुमति जुलूस निकालने की अनुमति नहीं थी और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्रवाई की गई।

अजमेर-जयपुर हाईवे पर भीषण हादसा

बेकाबू ट्रॉला ने छह लोगों को रौंदा, तीन बच्चों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान की राजधानी जयपुर में मंगलवार सुबह अजमेर–जयपुर हाईवे से जुड़े 200 फीट बाइपास पर हुए भीषण सड़क हादसे में तीन बच्चों की मौत हो गई, जबकि उनके माता–पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार एक अन्य बच्चे के लापता होने की सूचना है, जिसकी तलाश के लिए राहत एवं बचाव अभियान जारी है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसा श्याम नगर थाना क्षेत्र में हुआ, जहां तेज रफ्तार ट्रॉला अचानक अनियंत्रित हो गया। ट्रॉला पहले डिवाइडर की रेलिंग तोड़ते हुए सड़क किनारे पहुंचा और वहां खड़े लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीन बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे में घायल दंपती को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

पुलिस ने बताया कि दोनों के पैरों में गंभीर चोटें आई हैं और चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज किया जा रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही श्याम नगर थाना पुलिस, एंबुलेंस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया। दुर्घटना के बाद कुछ समय तक बाइपास पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में पुलिस ने सामान्य कराया।

बेकाबू ट्रॉला सड़क किनारे खड़े लोगों पर चढ़ा

दो घायल, एक बच्चे की तलाश जारी

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रॉला तेज रफ्तार में था, हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि चालक से पूछताछ और अन्य साक्ष्यों के आधार पर हादसे के कारणों की विस्तृत जांच की जाएगी। घटना पर कई जनप्रतिनिधियों ने शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है।

अहमदाबाद ब्लास्ट मामले में 38 दोषियों की फांसी बरकरार

गुजरात हाई कोर्ट ने निचली अदालत फैसला माना

पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने के निर्देश भी जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। वर्ष 2008 के अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में गुजरात हाई कोर्ट ने मंगलवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए विशेष अदालत द्वारा 38 दोषियों को दी गई फांसी की सजा और 11 दोषियों की उम्रकैद को बरकरार रखा। अदालत ने पीड़ितों और उनके परिजनों को मुआवजा देने के निर्देश भी दिए हैं।

अदालत के आदेश के अनुसार, विस्फोटों में जान गंवाने वाले 56 लोगों के परिजनों को 10–10 लाख रुपये तथा 200 से अधिक घायलों को एक–एक लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। यह मामला देश के सबसे बड़े आतंकी मामलों में शामिल माना जाता है। गौरतलब है कि 26 जुलाई 2008 को अहमदाबाद में महज 70 मिनट के भीतर 21 सिलसिलेवार बम विस्फोट हुए थे। इन धमाकों में 56 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 200 से अधिक लोग घायल हुए थे। हमलावरों ने शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों, सार्वजनिक परिवहन, बाजारों और अस्पतालों को निशाना बनाया था। शुरुआती धमाकों के बाद अस्पतालों में भी विस्फोट किए गए, जहां घायलों का उपचार चल रहा था। इस मामले में वर्ष 2022 में विशेष अदालत ने 38 दोषियों को फांसी और 11 को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। अदालत ने इसे "दुर्लभतम मामलों" की श्रेणी में रखते हुए मृत्युदंड को उचित ठहराया था। यह उन विरले मामलों में शामिल है, जिनमें एक साथ बड़ी संख्या में दोषियों को फांसी की सजा सुनाई गई थी।

विशेष अदालत के फैसले के बाद सभी दोषियों ने गुजरात हाई कोर्ट में अपील दायर की थी। वहीं, राज्य सरकार ने भी मृत्युदंड की पुष्टि के लिए याचिका दाखिल की थी। भारतीय कानून के अनुसार किसी भी मृत्युदंड को लागू करने से पहले हाई कोर्ट की पुष्टि आवश्यक होती है। हाई कोर्ट ने अब विशेष अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए दोषियों की सजा की पुष्टि कर दी है।

बाढ़ में जेसीबी बनी बुजुर्ग महिला की जीवनरक्षक

तेज बहाव से गांव तक नहीं पहुंची एंबुलेंस

ग्रामीणों की सूझबूझ से समय पर मिला उपचार

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुजरात के अमरेली जिले में भारी बारिश और बाढ़ के बीच इंसानियत की मिसाल देखने को मिली। राजुला तहसील के चांचबंदर गांव की एक बुजुर्ग महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई, लेकिन जलभराव और तेज बहाव के कारण एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच सकी। ऐसे में ग्रामीणों ने जेसीबी मशीन की मदद से महिला को सुरक्षित नदी पार कराकर एंबुलेंस तक पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार, लगातार बारिश से समाधियाला बांध का पानी पुल के ऊपर से बहने लगा था। तेज बहाव के चलते सड़क मार्ग पूरी तरह बंद हो गया। महिला की गंभीर हालत को देखते हुए स्थानीय लोगों ने तुरंत जेसीबी मंगवाई और उन्हें सावधानीपूर्वक मशीन की बकेट में लिटाकर पुल पार कराया। दूसरी ओर पहले से मौजूद एंबुलेंस ने महिला को अस्पताल पहुंचाया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। स्थानीय लोगों ने समय रहते सूझबूझ दिखाकर महिला की मदद की, जिसकी लोग सराहना कर रहे हैं।

भारतवंशी कारोबारी पर 425 करोड़ की कथित ठगी का आरोप

सीआईए एजेंट बन राष्ट्रपति का जीता भरोसा

425 करोड़ के रक्षा सौदों के नाम पर रची कथित साजिश

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय मूल के कारोबारी गौरव श्रीवास्तव पर इंडोनेशिया में बड़े वित्तीय फर्जीवाड़े के आरोप लगे हैं। खोजी रिपोर्टों के अनुसार, उन्होंने खुद को अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए का एजेंट बताकर तत्कालीन रक्षा मंत्री और वर्तमान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो का भरोसा जीता। आरोप है कि रक्षा सौदों के नाम पर लगभग 425 करोड़ रुपये का कथित फर्जी कर्ज मंजूर कराया गया। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि श्रीवास्तव ने 36 एफ–15 लड़ाकू विमान, ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर और अन्य सैन्य प्रणालियां उपलब्ध कराने का भरोसा दिया था। जांच में जिन कंपनियों के माध्यम से सौदे किए गए, उन्हें कथित तौर पर शेल कंपनियां बताया गया है। हालांकि इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि ये प्रस्ताव अंतिम समझौते तक नहीं पहुंचे, इसलिए सरकार को प्रत्यक्ष आर्थिक नुकसान नहीं हुआ। गौरव श्रीवास्तव पहले से अमेरिका में भी धोखाधड़ी से जुड़े मामलों का सामना कर रहे हैं। उनके खिलाफ लगे आरोपों की जांच जारी है और इन मामलों में अंतिम निर्णय संबंधित न्यायिक एवं जांच एजेंसियां ही करेंगी।

राष्ट्रपति मैक्रों दौरे के बीच दमिश्क में होटल के बाहर हुए धमाके

राष्ट्रपति ठहराव स्थल के पास मचा अफरा–तफरी माहौल

हमले की जिम्मेदारी किसी संगठन ने नहीं ली

यूनिक समय, नई दिल्ली। सीरिया की राजधानी दमिश्क में मंगलवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के दौरे के दौरान एक होटल के बाहर दो विस्फोट हुए। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जिस फोर सीजन्स होटल में मैक्रों ठहरे हुए थे, उसी के निकट यह धमाका हुआ। उस समय वह सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल–शारा से मुलाकात के लिए राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे। सरकारी मीडिया ने एक सुरक्षा अधिकारी के हवाले से बताया कि दोनों विस्फोट विस्फोटक उपकरणों के जरिए किए गए। धमाकों के बाद घटनास्थल पर धुएं का गुबार देखा गया, जबकि सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में एक वाहन जलता हुआ दिखाई दिया। हालांकि इन वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल हताहतों की संख्या को लेकर आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। वहीं, किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। सीरियाई अधिकारियों ने भी घटना पर तत्काल कोई विस्तृत बयान जारी नहीं किया। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले भी दमिश्क के जस्टिस पैलेस के पास एक कैफे में हुए विस्फोट में 10 लोगों की मौत हुई थी।

देशभर में बारिश का कहर,कई राज्यों में जनजीवन प्रभावित

डोडा में बादल फटा, वायनाड में भूस्खलन हुआ

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। जम्मू–कश्मीर, महाराष्ट्र और केरल में बारिश से जुड़े हादसों और भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा है तथा लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

जम्मू–कश्मीर के डोडा जिले में ऊंचे क्षेत्रों में बादल फटने के बाद मलबा रिहायशी इलाकों तक पहुंच गया। कई वाहन मलबे में दब गए और सड़कों पर आवाजाही प्रभावित हुई। वहीं किश्तवाड़ जिले में भी तेज बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए।

महाराष्ट्र में लगातार बारिश के चलते मुंबई में पिछले 48 घंटों के दौरान लगभग 380 मिमी वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

एहतियात के तौर पर मुंबई और नासिक में स्कूल–कॉलेज बंद रखने का निर्णय लिया गया। वहीं त्र्यंबकेश्वर और सप्तश्रृंगी मंदिरों में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर भी अस्थायी रोक लगाई गई है। केरल के वायनाड जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच मंगलवार को मीनाक्षी पुल के पास हुए भूस्खलन में तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद राहत एवं बचाव दल ने मौके पर अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार अब तक छह लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है, जबकि कुछ अन्य लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। केरल के वायनाड में एक टनल परियोजना के निर्माण स्थल पर भूस्खलन की घटना में पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौसम विभाग ने कई राज्यों में भारी बारिश की संभावना जताते हुए लोगों को सतर्क रहने और प्रशासन की सलाह का पालन करने की अपील की है।

मुंबई में भारी बारिश, स्कूल–कॉलेज आज बंद रहे

वायनाड भूस्खलन में तीन मौतें, बचाव अभियान जारी लगातार

भारी बारिश से मीनाक्षी पुल क्षेत्र प्रभावित हुआ

मलबे में फंसे लोगों की तलाश तेज हुई

दिल्ली हाईकोर्ट ने सीजेपी का एक्स अकाउंट बहाल करने का दिया आदेश

ब्लॉकिंग आदेश रद्द केंद्र को झटका लगा

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के एक्स अकाउंट को बहाल करने का आदेश देते हुए केंद्र सरकार का ब्लॉकिंग आदेश रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि जिस आधार पर अकाउंट को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किया गया था, वह अब समाप्त हो चुका है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने अदालत को बताया कि नीट री–टेस्ट के दौरान भ्रम की स्थिति से बचने के लिए एहतियातन यह कदम उठाया गया था। अदालत ने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रतिबंध जारी रखने का पर्याप्त आधार नहीं बचता। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अभिव्यक्ति और राजनीतिक संवाद से जुड़े मामलों में संतुलित दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए। फैसले के बाद सीजेपी के एक्स अकाउंट को बहाल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। इस निर्णय के बाद सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और डिजिटल अधिकारों को लेकर बहस तेज हो गई है।

पटना बाजार समिति में फल व्यापारी को गोली मारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार की राजधानी पटना में मंगलवार को दिनदहाड़े एक फल व्यापारी को गोली मारने की घटना से बाजार समिति क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बहादुरपुर थाना क्षेत्र में हुई इस वारदात के बाद घायल व्यापारी को तत्काल पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पीएमसीएच) में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार घायल की पहचान राजकुमार प्रजापति के रूप में हुई है, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि व्यापारी अपने काम में व्यस्त थे, तभी अज्ञात हमलावर पहुंचे और उन पर फायरिंग कर फरार हो गए। गोली चलने की आवाज से इलाके में अफरा–तफरी मच गई।

झमाझम वर्षा ने ठंडे किए उमस के तेवर

मंगलवार को हुई वर्षा के दौरान कृष्णानगर रोड से निकलते वाहन।

भीगते हुए घर जाती महिला। कंकाली के सामने से बारिश के पानी से निकलती गाड़ी।

अचानक बदला मौसम तो जमकर हो गई बारिश

बच्चों ने पानी में मचाया धमाल, लोग हुए परेशान

मंदिरों की नगरी फिर हुई पानी–पानी

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार दोपहर बाद अचानक मौसम का मिजाज बदल गया तो आसमान में घने बादल छा गए। तेज हवाओं के साथ शुरू हुई झमाझम बारिश ने पिछले कई दिनों से पड़ रही उमस और गर्मी से लोगों को बड़ी राहत दिलाई। बारिश शुरू होते ही तापमान में गिरावट दर्ज की गई और मौसम सुहावना हो गया। लोगों ने राहत की सांस ली, कई जगह लोग घरों से निकलकर बर्षा का आनंद लेते नजर आए।

बारिश का सबसे अधिक उत्साह बच्चों में देखने को मिला। मोहल्लों और कॉलोनियों में बच्चे बारिश के पानी में खेलते दिखाई दिए। वहीं, किसानों ने भी इस बारिश को खरीफ फसलों के लिए लाभदायक बताया। हालांकि तेज बारिश के कारण प्रमुख सड़कों पर पानी भरने से वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। बाजार आए लोगों को भी भीगते हुए घर जाना पड़ा। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों भारी बारिश होने का यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, बुधवार और गुरुवार को जिले में जोरदार वर्षा होने की संभावना है। शुक्रवार को भी बर्षा होगी, जबकि 11 से 13 जुलाई तक आसमान में बादल छाए रहेंगे। मंदिरों की नगरी आज फिर पानी–पानी हो गई। चारों ओर सड़कों पर पानी हिलोरे मारते नजर आया। दोपहर को बाजारों में खरीदारी करने आए ग्राहक भी मौसम के खराब होते देखकर घरों की जाने लगे कि यकायक मूसलाधार बारिश में वह फंस गए। मूसलाधार बारिश कुछ मिनटों में थमने के बाद लोग सड़कों पर हिलारे मारते पानी के बीच से होते हुए घरों तक पहुंचे। बारिश के कारण कई इलाकों की विद्युत आपूर्ति गुल हो गई। विद्युत केबलों के लगे बाक्सों के खुले पड़े रहने से करंट का खतरा पैदा हो गया।

स्व. श्रीमती उर्मिला देवी

उठावनी

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी पूजनीय माताजी श्रीमती उर्मिला देवी पत्नी स्व. श्री हरी शरण अग्रवाल का गोलोकवास दिनांक 06.07.26 को हो गया है जिनकी उठावनी दिनांक 08.07.26 दिन बुधवार को महिलाओं एवं पुरुषों की दोपहर 3 से 4 बजे तक अग्रवाटिका मसानी लिंक रोड, मथुरा पर होगी।

शोकाकुल परिवार

मुरारी लाल–मीरा अग्रवाल
राजेश कुमार–अनुपमा (पुत्र–पुत्रवधु)
ममता–चन्द्रभान
रीना–ओमप्रकाश (पुत्री–दामाद)
आयुष–राधिका, उमंग–पारुल
अदिति–कुणाल, अनिक (पौत्र–पौत्रवधु)
हितार्थ, अहाना (प्रपौत्र–प्रपौत्री)
सुमित–पायल, अर्पित–श्वेता
श्रुति–आकांश, शुभम (धेवता–धेवती)

एवं समस्त राम भवन परिवार

फर्मः
- अग्रवाल बिल्डिंग सोलूशन्स, स्टेट बैंक चौराहा
- श्री अग्रवाल बिल्डिंग मटेरियल
- अग्रवाल बिल्डिंग इन्नोवेशंस , गणेशरा

निवासः– 1/97 श्री राधा पुरम एस्टेट, एन.एच.–19, मथुरा
मो. 9412728764, 9358677595

मायका पक्षः चंद्र प्रकाश, प्रमोद, पंकज सिंघल

पूर्व सैनिकों की बैठक में संगठन को मजबूत करने पर जोर

पंजीकरण और कल्याण योजनाओं की दी गई जानकारी।

यूनिक समय, मथुरा। जिला भूतपूर्व सैनिक संघ की मासिक बैठक जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वस कार्यालय परिसर में कैप्टन जवाहरलाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल एके सिंह ने बताया कि स्टेशन मुख्यालय मथुरा कैंट से पूर्व सैनिकों के पंजीकरण फॉर्म कार्यालय में उपलब्ध करा दिए गए हैं। उन्होंने सभी पूर्व सैनिकों से कार्यालय पहुंचकर अपनी व्यक्तिगत जानकारी दर्ज कराने की अपील की। उत्तर प्रदेश इंडियन एक्स सर्विसेज कोऑर्डिनेटर खेम चंद्र शर्मा नागेश ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी पूर्व सैनिकों से सहयोग का आह्वान किया। बैठक में डॉ. प्रवीण पाल सिंह, सूबेदार आरबी सिंह, मनोज कुलश्रेष्ठ वरिष्ठ लिपिक, नरेश यादव, विजय शर्मा, बृज सिंह पांडव, हरिओम तिवारी, श्याम बाबू, जयपाल सिंह, राधाचरण, अमर सिंह, सूरजपाल सिंह, दिनेश चौधरी, राजकुमार, रचना, त्रिवेणी, सुधा, उषा, सीमा और शशि सहित अनेक पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

इनरव्हील क्लब ने चिकित्सकों का किया सम्मान

मां सरस्वती अस्पताल में आयोजित हुआ कार्यक्रम

चिकित्सकों ने साझा किए सेवा और अनुभव

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर मां सरस्वती अस्पताल जयसिंहपुरा में इनर व्हील क्लब ऑफ मथुरा ने सम्मान समारोह आयोजित किया। क्लब की पीडीसी लता गोयल ने अस्पताल के चिकित्सकों डॉ. पूनम अग्रवाल नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ. अंकित अग्रवाल हड्डी- जोड़ रोग विशेषज्ञ, डॉ. सरगना अग्रवाल स्त्री-प्रसूति रोग विशेषज्ञ, डॉ. शैलेश सिंह, डॉ. विनीता गुप्ता दंत रोग विशेषज्ञ, डॉ. साधव मल्होत्रा होम्योपैथी विभाग और डॉ. शताक्षी कौशिक आयुर्वेदिक विभाग को सम्मानित किया।

सम्मानित चिकित्सकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए सेवा और समर्पण को चिकित्सा का सबसे बड़ा दायित्व बताया। कार्यक्रम में इनर व्हील क्लब की रेखा माहेश्वरी, मीनाक्षी सहित लगभग 30 सदस्य उपस्थित रहे। अस्पताल की ओर से दीपक गोयल ने बताया कि मां सरस्वती अस्पताल पिछले 75 वर्षों से जनसेवा में कार्यरत है। उन्होंने कहा कि अब अस्पताल में आयुष्मान भारत कार्ड और सभी टीपीए के माध्यम से मरीजों को 24 घंटे भर्ती और पात्र रोगियों के लिए ऑपरेशन की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

बालिका गृह की बेटियों को मिले प्रशिक्षण प्रमाण–पत्र

नि:शुल्क सौंदर्य प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

यूनिक समय, वृंदावन। राजकीय बालिका गृह में खजानी वेलफेयर सोसाइटी और सीता देवी तापड़िया चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित एक माह के निःशुल्क सौंदर्य प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन मंगलवार को हुआ। सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता और डीपीओ विकास चंद्र ने करीब 80 बालिकाओं को प्रमाण–पत्र और परमार्थ सामग्री वितरित कर उनका उत्साहवर्धन बढ़ाया।

शुभारंभ ट्रस्ट की रचना राठी, राधिका खेतान और डायरेक्टर शिप्रा राठी ने किया। संचालन कौशल शर्मा के मार्गदर्शन में हुआ। सीडीओ ने कहा कि कौशल विकास से बेटियां आत्मनिर्भर बनकर सम्मानजनक जीवन जी सकती हैं। शिप्रा राठी ने भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी रखने का भरोसा दिया।

खजानी वेलफेयर सोसाइटी की ओर से सभी बालिकाओं को सेनेटरी नैपकिन भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में प्रभारी प्रगति खरे, गायत्री मिश्रा, सोनम, अरुण कुमार सोनकर, मोहित वर्मा, लक्ष्मी लता, रजनीश सैनी, पूजा देवी, अनिल कुमार सिंह और अजय कुमार सहित अनेक अधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ब्रज चिकित्सा संस्थान में स्मार्ट वर्चुअल क्लासेस का शुभारंभ

ब्रज चिकित्सा संस्थान में स्मार्ट वर्चुअल क्लासेस का शुभारंभ करते हुए जल पुरूष प्रमोद गर्ग कसेरे, साथ में गणमान्य लोग।

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज चिकित्सा संस्थान स्कूल ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज में मंगलवार को आधुनिक शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्मार्ट वर्चुअल क्लासेस का शुभारंभ किया गया।

दीप प्रज्वलित करके शुभारंभ करते हुए जल पुरूष- शिक्षा मंडल के वरिष्ठ सदस्य प्रमोद कुमार गर्ग कसेरे ने कहा कि तकनीक आधारित शिक्षा समय की आवश्यकता है और इससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होगा। कॉलेज की शिक्षिका दिव्यांशी सक्सेना ने स्मार्ट वर्चुअल क्लासेस की उपयोगिता के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि डिजिटल तकनीक के माध्यम से विद्यार्थियों को बेहतर समझ में आएगा। इस अवसर पर शिक्षा मंडल के सदस्य उमेश गोयल, ओमप्रकाश मित्तल, महेशचंद वाले, कॉलेज के निदेशक गौर शरण अग्रवाल और समस्त शिक्षक–शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं भी मौजूद रहे।

सीडीओ पहुंची प्लेस ऑफ सेफ्टी के निर्माणाधीन भवन, गुणवत्ता के दिए निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने वृंदावन स्थित नगला रामताल में निर्माणाधीन प्लेस ऑफ सेफ्टी भवन का औचक निरीक्षण किया गया। मुख्यमंत्री बाल आश्रय योजना के अंतर्गत निर्मित होने वाला यह भवन 14.79 करोड़ की धनराशि से तैयार हो रहा है, जिसमें 100 अपचारी किशोरों को आवासित किए जाने की अत्याधुनिक व्यवस्था होगी। इस परियोजना के अंतर्गत 100 बालकों के आवास के लिए एक मुख्य भवन और किशोर न्याय के स्वतंत्र भवन का निर्माण प्रस्तावित है। परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए बताया गया कि भवन का निर्माण कार्य मार्च 2027 तक पूर्ण होने की संभावना है। निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने प्रयुक्त सामग्री को देखा, उन्होंने कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड अलीगढ़ यूनिट के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि निर्माण कार्य को निर्धारित समय–सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता और मानकों के अनुरूप पूर्ण कराएं। निरीक्षण के समय जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चन्द्र मौजूद रहे।

अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई, बुलडोजर से निर्माण ध्वस्त

अवैध कॉलोनी पर चलता एमवीडीए का बुलडोजर

बिना अनुमति विकसित हो रही 'राधापुरम एन्क्लेव' पर चला अभियान

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण ने मंगलवार को कोसीकलां में बिना अनुमति विकसित की जा रही एक अवैध कॉलोनी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया। करीब 4000 वर्गमीटर क्षेत्र में बनाई जा रही 'राधापुरम एन्क्लेव' कॉलोनी में बाउंड्रीवाल और कच्ची सड़क समेत किए गए निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया।

एमवीडीए के अनुसार, एनएच–19 पर बृजवसुंधरा कॉलोनी से आगे बृजभूमि ढाबा के पास नीरज गोयल द्वारा बिना प्राधिकरण की मंजूरी के कॉलोनी विकसित की जा रही थी। इसकी जानकारी मिलने पर उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम, 1973 के तहत मामला दर्ज किया गया। सुनवाई के दौरान संबंधित व्यक्ति के उपस्थित न होने और निर्माण कार्य जारी रखने पर 5 अगस्त 2025 को ध्वस्तीकरण का आदेश जारी कर दिया गया था। इसके बाद भी निर्धारित समय में अवैध निर्माण नहीं हटाया गया। एमवीडीए की टीम ने उपाध्यक्ष के निर्देश, सचिव के नेतृत्व में मौके पर पहुंचकर बुलडोजर से कार्रवाई की और अवैध निर्माण हटवा दिया। एमवीडीए ने सचिव ने कहा कि जिले में बिना अनुमति विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

अलवाई के छात्रों ने जगाई शिक्षा की अलख

यूनिक समय,छाता। स्कूल चलो अभियान के तहत मंगलवार को छाता क्षेत्र गांव अलवाई में जागरूकता रैली निकाली गई। प्राथमिक विद्यालय के छात्रों ने गांव की गलियों और मुहल्लों में पहुंचकर लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। विद्यालय के शिक्षकों के नेतृत्व में निकाली गई इस रैली में बच्चों ने नारों के साथ लोगों को जागरूक किया। वहीं शिक्षकों और छात्र–छात्राओं ने घर–घर जाकर अभिभावकों को शिक्षा के प्रति लोगों को समझाया। प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह ने कहा कि छह से 14 वर्ष तक के कोई भी बच्चे शिक्षा से वंचित नहीं रहने चाहिए।